

મધુમાલતીની

વંદના.

દોહોરા, ચોપાઈ, સોરઠાસયિ.

મધુમનકાંલીલા.

કાયથિ મૃતુર્લુન્ઘદાસ-કૃત.

આપ્રાંતન લાકોનેષુદિગ્નેયતુર્ગર્જને અરથે.

લગ્નભાષ્યકરમયંદેપોત્તલાલોલજાપાખાનામાં

છાંત્રિસિદ્ધકરી.

રાજ્યમત્તાવાદમાંકાણુપરમધે.

રાજનમેતાની પોળમાંતોડાનીપોળમાં

આદૃત્તીપેહેલી.

સંવત્ ૧૮૩૦

કિંમત ૧૧ રૂપૈઓ.



544

मं० मा० ल० वा० ता०

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगोपीजनवल्लभाय नमः ॥
 ॥ अथ मधुमावतीनी वारता लंजीछा ॥ ॥
 योपाछा ॥ ॥ अरजिंरंयीतनया अरपाणि ॥ शंड
 रसुतगनपती सीरनांणि ॥ आतुर्हितयितसहीतरी
 आजिारसीडमावती मनोहरगाणि ॥ ॥ लीलावती
 ललीत जेडेसा ॥ यंरसेन त्यां सुधरनरेसा ॥ सुलग
 थां मधन गगन प्रवेसा ॥ मानहूं मंडप रथो महेसा ॥
 री ॥ अस्सी नगरपुर नेन नयारा ॥ यधरारी यजिरां
 रथो जन्नरा ॥ अतिजियीत्र दीसे नरनारी ॥ मानहूं
 तीन जोड लूयन मुजारी ॥ ॥ डरै सेव नृपकुली छत्री
 सा ॥ येदे सहस्र हसनामे सीसा ॥ डरै मै मंडुनर डरेयी
 सा ॥ यंरसेन नृप ठेसन ठेसा ॥ ॥ ॥ सोरडो ॥
 ॥ ॥ हयहल जनंत अंपारा ॥ पुंनर डरे मै धनूं ॥
 दुलि छत्री स हन्नरा ॥ येदे साध नृप यंर डो ॥ ॥
 योपाछा ॥ ॥ मंत्री नृप पराक्रमता मां ॥ तारन
 साहता सडोना मां ॥ निसहीन श्यामी धरम सुडमां
 ॥ नृपतन तनै धरी पल नं मां ॥ ॥ नृपडे त्रीया जंते
 णिरयारा ॥ संतती जेडमावती हुमा ॥ ॥ अरनु डहा
 रथी अंपारा ॥ मांनु णिरजंसी ली ॥ ॥ अजतारा ॥ ॥

[illegible]

॥ योपाधि ॥ ॥ ये सो दोन ने तुम हुजरे हिा तो हु
म मंत्री इहा मंत्री बन रहिा न्न जे अपने घर करे जिला
सा ॥ हुमजर बदे मधु कुत्रासा ॥ ३३ ॥ जोले मधु कु मंत्री सु
न जानी ॥ रा न्न सुने तो करे निसानी ॥ ताथे मधु में तो
हे सम्झाणी ॥ सोइ जोले ते जयन सुनाणी ॥ ३४ ॥ अज
ते अनंत इहो न्न न्नयो ॥ मेया ले तरु संग जायो ॥
पंडीत के दीग जेडे पदो ॥ जल होय घोदन न्नय यदो ॥
॥ ३५ ॥

॥ श्लोक ॥

॥ किंकुलेन विशालेन ॥ विद्याहिनेन देहीनां ॥

अकुलिनोपिविद्वांसो ॥ देवतासह पूज्यते ॥ ३४ ॥

॥ बुद्धिवंतो कोटीमीनाश्च ॥ गुणयन्तो कोटीसेवकाः ॥

कर्महीनो यदा मूर्ख ॥ कोटिसन्नुचतुर्मुखाः ॥ ३५ ॥

॥ योपाधि ॥ ॥ विद्या बिना शीलान ही पवि ॥
विद्या बिना धर्म न्न ॥ अवे सं न्न दग्ध न्न रथ न्न न्न गग
यो ॥ विद्या बिना अति मूढ इहाये ॥ ३६ ॥

॥ श्लोक ॥

॥ विद्यानाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्न गुसंधनं ॥

विद्याभोग करीयत्रा सुख करी विद्या परं देवतं ॥

विद्याबंधु जनो विद्वा गमने विद्या रुणां गुरु ॥

विद्याराज पूज्यते न ही धनं विद्या हि हि नो पशु ॥ ३७ ॥

दो दो लोचन सं ॥ विद्याय न्न त्रीला न्न ॥ सस-

लोचन धर्माणां ॥ ज्ञानी श्वानंत लोचनं ॥ ३८ ॥

॥ योपाधि ॥ ॥ दो दो लोचन परे पंछी नरा ॥ ति
न लोचन विद्याई जरा ॥ सस लोचन यम सत नरा ॥
ज्ञानी के अनंत लोचन ॥ पारा ॥ ३९ ॥ न्न पुन ॥ तेल

श्री गोलदाहले महान्तन्योतिसिपावालीने पंढरे कुंजर
 प्रसन्नदाता त्रिपुरारज्याप्रदाता त्रिपातांसाह्वयत
 लिना साध्यामयुक्त निद्यादेष्ट प्रजोद्यानेने पंडीत अक्षर
 डेहाते त्रिपुराह्वयत ग्रेहांशो मंत्रि दायस मंत्री
 पाद्विपा दृष्टी करी पुछे राणा कुंजर पदायत सोडु पदोप
 ते दीवस मो. दृष्टी नयदोषां मंत्री केहे राय अजया-
 रा मति निखीत्र मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि
 के मध्यो यजिष्ट विष्णु जन्म जन्म जन्म जन्म जन्म जन्म जन्म
 पदवेडी के गोता पंडीत मंत्रि द्वाये रे गोता मंत्रि द्वाये रे
 दायस संहोता योरी योरी निद्या लहो मंत्रि दायसे न-
 नृपयो जियरा न मा लती प वडी के गोता लीत न नय द-
 श्री सुचलेषी ता मंत्री म आदस देषी ता मंत्री
 दोहा ता मंत्री लम कुपार डी ता जा वना लो-
 दुलाया मंत्रि मा लती जा लास मंत्रि न जा यो जीप-
 या मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि
 य मंत्रि मंत्रि मा रानी हं वि गोता रानी सु लुके नृप
 लेवा मंत्रि पंडा मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि
 दवेडी के गोता पंडीत मंत्रि द्वाये रे गोता मंत्रि द्वाये रे
 येक संहोता योरी योरी निद्या लहो मंत्रि दायरी के सु-
 ना हो ताता मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि
 व प्रातः गोण मंत्रि प दायस मंत्रि ता मंत्रि दे नि नृप मा-
 लती नि सावा मंत्रि मन मांस मंत्रि लोपावा मंत्रि न्याजर
 प्रातः मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि
 मन मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि
 पदवेकु मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि मंत्रि

॥ श्लोक ॥

[illegible]

સમજલાયે તાં હાં યેહાં હોયો ॥ લતી બચન નૃપત સં
 વ્ય પાયો ॥ ૨ બહી પંડીત બેગ બુલાયો ॥ પટપેરેય તાં
 હાં બીજલ દેહી ॥ પદયે કું પાટી લીખ દેહી ॥ ૩ ॥ યોતી
 સ અછર સજહી ચીની ॥ બારબડી બોલ લખ દીની
 ॥ ચૌનમ સિદ્ધ પ્રથમ પદાર્થ ॥ ફૂની કકા દો અંક બનાઈ
 ॥ ૬ ॥ પંડીત બે બે અછર ફેફા ॥ તે તે ફુવરી કંઠલે ગ્રેફ
 ॥ નામોં બારે આગમ ચદી ॥ માંનુ હુ બીધર મધ્ય તે પ
 દી ॥ ૭ ॥ આણા વીચા ફરણ સમેત ॥ સરસ્વતી પરો
 થરો બુદ્ધતા ॥ અમર કોક પીંગલ સજ પદી ॥ સીખાયે
 માંનુ સાંખર નબ ચદો ॥ ૮ ॥ મંત્રી સુત કષ્ટ અછો પ
 ૦ ॥ ફૂનલ માલતી ચોપણ ચબદો ॥ નિમંજ અકમેલ
 ચે મિલાયા ॥ ઘેનો સરલત બરનો નન ॥ ૯ ॥ પટપ
 રેય કે બીડલ ॥ ૧૦ ॥ બચન બેબ ॥ ૧૧ ॥ મંત્રી
 લતી ઘણી પ્રવીના ॥ કોઈ અધિક નહી કોઈ િના ॥
 ૧૨ ॥ અક ઘંપસ ॥ ૧૩ ॥ અર નહાં ગયા ॥ મનમ શુદ માલ
 ૧૪ ॥ ૧૫ ॥ ૧૬ ॥ ૧૭ ॥ ૧૮ ॥ ૧૯ ॥ ૨૦ ॥ ૨૧ ॥ ૨૨ ॥
 ન માંન ॥ ૨૩ ॥ ॥ સાર કો ॥ ॥ લઈ બિ
 રહે બિહાલ ॥ મધુ કો ॥ બનિરખે ॥ માંન ॥ કમા દની બલ
 ॥ ૨૪ ॥ મીન ॥ માલતી ॥ ૨૫ ॥ ॥ ચોપ ૭ ॥
 ॥ ॥ ૨૬ ॥ ૨૭ ॥ ૨૮ ॥ ૨૯ ॥ ૩૦ ॥ ૩૧ ॥ ૩૨ ॥ ૩૩ ॥
 ૩૪ ॥ ૩૫ ॥ ૩૬ ॥ ૩૭ ॥ ૩૮ ॥ ૩૯ ॥ ૪૦ ॥ ૪૧ ॥ ૪૨ ॥
 ૪૩ ॥ ૪૪ ॥ ૪૫ ॥ ૪૬ ॥ ૪૭ ॥ ૪૮ ॥ ૪૯ ॥ ૫૦ ॥ ૫૧ ॥
 ૫૨ ॥ ૫૩ ॥ ૫૪ ॥ ૫૫ ॥ ૫૬ ॥ ૫૭ ॥ ૫૮ ॥ ૫૯ ॥ ૬૦ ॥
 ૬૧ ॥ ૬૨ ॥ ૬૩ ॥ ૬૪ ॥ ૬૫ ॥ ૬૬ ॥ ૬૭ ॥ ૬૮ ॥ ૬૯ ॥ ૭૦ ॥
 ૭૧ ॥ ૭૨ ॥ ૭૩ ॥ ૭૪ ॥ ૭૫ ॥ ૭૬ ॥ ૭૭ ॥ ૭૮ ॥ ૭૯ ॥ ૮૦ ॥
 ૮૧ ॥ ૮૨ ॥ ૮૩ ॥ ૮૪ ॥ ૮૫ ॥ ૮૬ ॥ ૮૭ ॥ ૮૮ ॥ ૮૯ ॥ ૯૦ ॥

નીમીશ્વરેંધરનીકરીમાનહુંલ સાંસપેંઢક્યોતે
એકાદશાનમાનભુવધક્યોતેગડા ॥ ૧૧ ॥

માલતીબાઈકઃ

પાયોપાઈ ॥ ॥ બોલબોલતુંધીરનધારી ॥ ૩ ॥
ભુજેંદ્રકાલીમારી ॥ બહનચુરાયરહેતુંમકસે ॥ નિર
બોનહીનેનભરજેસે ॥ ૪ ॥ ફલચપુરવદેબો ૫ ॥ બે
સોતલાવરહે ॥ બિગબાયોફેસે ॥ ફુનિમિઠોફરવો ૬ ॥
હીચેફેસે ॥ ચારતબંતતયેભુચયૈ ॥ ૭ ॥ ૧ ॥

મધુબાઈકઃ

પાંઈપ્રાયનફલસુંદરફોઈ ॥ બાવેફોઈછેન ૧ ॥ ફાઈ ॥ ૧ ॥
નબુજેફોઈબાવેનેઈ ॥ તાહીસુવરાસીમલસીફોઈ ૨ ॥
૩ ॥ ॥ સોરહો ॥ ॥ સુવરા ॥ ૪ ॥ ૫ ॥
નફુઅંબતેસુલ્લફુલા ॥ ફૂનીપાકે સંપેજાદેફુ ૬ ॥ પીનરા
તોલઈ ॥ ૭ ॥ સુવરાફહોસંદેસા ૮ ॥ સીમલફુ ૯ ॥ ૧૦ ॥
યો ॥ પગનાપરતવાદેસા ૧૧ ॥ નબસુધ ૧૨ ॥ ફલનકી ૧૩ ॥
૧૪ ॥ ॥ ઘોફો ॥ ॥ ચંદ્ર ॥ મોરેસારધુનાવે ૧૫ ॥
નીકસકે ૧૬ ॥ ચ ॥ નેનૈસીસંગતકે ૧૭ ॥ સોતેસેફલપાયો ૧૮ ॥
૧૯ ॥ ॥ પાયોપાઈ ॥ ૨૦ ॥ પંડાંતબુરોએકન
બુખ્યાતુરદોળિપર ૨૧ ॥ ૨૨ ॥ ૨૩ ॥ ૨૪ ॥
૨૫ ॥ ૨૬ ॥ ૨૭ ॥ ૨૮ ॥ ૨૯ ॥ ૩૦ ॥

માલતીબાઈ

પાંભરેસરોજરહેછીગપાસે ॥ ફલપટ્ટતલરહી ૧ ॥
પાંફેસેતોહીસાંનકરકહીયો ॥ નીતાફેકહુ ૨ ॥
હીય ૩ ॥ ૪ ॥ ૫ ॥ ૬ ॥ ૭ ॥ ૮ ॥ ૯ ॥ ૧૦ ॥

પાંફલકાનુનાંનલકેબ્યાસે ॥ સેમેનંતરફલેદાસે ॥

मेंरो जयन न्ने यीत हीने॥ लागे ताडी गेलनां डीने॥
 ८१॥ मधु आपनी जातही हारे॥ माखती मनसु जेकुनां
 डोरो॥ ने मणी धर मणी कुछेडो॥ डूनी यडोर बैसे रस जंघे॥
 ८२॥ ॥ सोरडो॥ ॥ बाधे संकट सनेहो॥ मृ-
 ग सिंहन बैसी लछी॥ मधु जंघे गती गती तेहो॥ समझे ज-
 न्य माखती॥ ८३॥

॥ अथ प्रसंग मृग सिंहन डो-॥

माखती जायक-

माखती मधुकु सज्ज सुनाये॥ मृग सिंहन डी मोह जताये॥
 ॥ डैसे लछी सोही सुन लीने॥ तो जीयार ताडो डु डीने॥
 ॥ ८४॥

मधु जायक-

॥ मधु जंघे हंडे तीड गाणी॥ ने जुळे तो तुनडू सुनाणी॥ मृ-
 ग जेडु जांही डामडो मातो॥ मृगनी युधिमे डीरे रंग रा-
 तो॥ ८५॥ नीखो तर नयरे दिन सारो॥ नय हस मृगनी-
 ज हीड सोनारो॥ तामे बहाड लस जेडु डारो॥ आरत वंत
 तपे ज्य अंगारो॥ ८६॥ सिंहन प्रष्ट परो ये हुरनां॥ प्रज-
 टो डाम तन खागो हुरनां॥ मंन छि मृग प्रीत मडरनां॥ य-
 लीजो ही होर हुतो न्हं हुरनां॥ ८७॥ मृग डेसरी डी जोन-
 ज पार्छी॥ तनि डी डानो यखो पलाछी॥ जेगही सिंहन जा-
 डी आछी॥ थिर थिर कुंग लान नि न नछे॥ ८८॥ तेरे निय-
 डी रछा डर हूं॥ मनसा जाया डे पित धर हूं॥ जेहूमें सत स-
 त डरी लाप्पी॥ न्ने डे यंर सूर्य हें साप्पी॥ ८९॥ डूनी जयन
 सिंहनी लाप्पी॥ तु तेरो ज्य छाहरा ज्यो॥ मेरे तन डी पेर-
 सुनाणी॥ ने तोपे जेहू नेहू हूं पाणी॥ ९०॥ मेरे तन कुं थिर-
 ९०॥ ज्यो॥ ने तु मेरी पेर जुळये॥ हुतो पेय हन यन आछी॥

परे रोपांतम होछे साधोप्यो तो से प्रीतने तपे गायी
तम तो ह जो हो तदुजो गी मगनी ते मोपे सुअपे ह पय
हो प्रीतक जो लै गायी

मृगजायक-

मृग- मृग नमो लही शरो पाम तो आही ति हारे त्या
रो ममो ह तेरो बिराज सन जने पडर पतुडी तही लुलावे
पण ता तेरे मारग ही न न छी ममो दुछलन ले दडित आछी कुं
नर बिना सिंह संघोरो मग ह ह बि सया से मारे प
प्या पु मृग निरो य न र सु हो छी ता हो जयन माने न ही हो
छी ज्यै से नियर पति ने ने छी ता गो हुर काग ही गती हो छे

प्रसंग गूहुर कागडे-

श्लोक-

॥ नविधासपूर्वविरोधस्य ॥ शत्रुमीत्रसमागतः ॥ ॥

॥ दग्धा गूहायां कागेन ॥ गूढामृत्युसमागता ॥ १

सिंहनजायक-

मयोप छी मृग नमो लही शरो पाम तो आही ति हारे त्या
कागडी त छी सो कैसी केरे मृग निजाय से मारे पाम
जिन क्यो नरे पण

मृगजायक-

मृग नमो लही शरो पाम तो आही ति हारे त्या
पंछी न थ मिल सज आनी मृग हुर हिरा न देन की डानी ता
नो काग कां हां छी आये पंछी के ते क जे कांत जुलाये सभा
प्यार छी न पे न ज पाये ता तज ही काग मुज अंग रा नाये ता
छी ज्यै सि म कल जु प तु म करी हुं ता पंछी सजे अन जुटे म
दिहे ता रान मरे कु तु म न ही न नो ता ता छी पर तु म गूहुर

रंजानोपायादेजलमिनको णिनसंपे।।तीनलोड नके डरं
पे।।पंथप्रजाहसूनसेषही सरडे।।यम वसुधा माथेसे दरे
।।रा।।माहा सुरतहांडे णिनपुरे।।यरा तलेगीरिवर हूयुरे।।
टिटोडीडे अंडनंहांगेहे।।साहरग्जायमन डरलहे।।डा

प्रसंग-टीटोडीके-

।।साज मिलेके पंछी सुध लछी।।अंडन इथा कहो कैसी लछी।।
मेघ ज्वरन पंछी सुइहां सायर तीर टीटोडो रेहा।।गीतान
पात ताको नाम कह्यो।।त्रीयागर्न संपुरन लयो।।कुंध
जिनती डू डरनेरा अंडन डान डरो डू डोरा पायेह
डोर अंडधरन डी नाछी।।गौर डोर धरावो हुं डछी।।अंत
हुं अंडन कुंधरियो।।तहां ननयेके आश्रम डरियो।।
तज पंछी जोल्यो ज्वर हरी।।तेरो जुधा बिधाता त्री।।मेरे-
अंडन सायर ले गो तोछे।।नेह डछी।।जिहेहा।।
संकुहो अंडा धरो।।मनमां गौर सोय णिन डरो।।तनो ड-
ही।।नेहो।।नेहो।।सायर तीर डिकानो लयो।।
य सात नज लछी।।जाछे देल अंडा ग्रही लछी।।
अंड लीये णिहं।।
नपातदुं दुं नाछे जाता।।मोर तलये णिघघि प्रलात्ता
।।

त्रियाजायड-

।।घेरा।। त्रीयाहरन जंधव मरन
नोबिछो।।अने नोहरती होडा
होय ।।

टीटोडीजाड-

।।नरघुपती लया।।जंघमरन

[illegible]

श्लोक-

॥उपोयंचैवकर्त्तव्यं॥सबलनिर्बलानरा॥॥

॥ काकोपीकुणमात्रेण ॥ ऋष्मसर्पनिपातितः ११६

॥ योपाठो ॥ ॥ जे न पात मेसी बजनां जि
पंचाङ्गान ग्रंथि की साधि ॥ जैसे नेर पराक्रम इरिहें ॥
डागत बंगम डी गत सरिहें ॥ गोरी रोडी जुझपी जी-
जा ॥ कैसे डरी निन संपे छाता डागा दो ना न्यउपा
य डी नो ॥ कैसे पेर आपनो लीनो ॥

दीर्घोडाध्यायः-

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

शरन कर छिद्यी पुकार्यो गोत्रं मरुप हो छिआयो प सां
मतो आं हं तीहारे दासां ॥ १ ॥ कीनो लेटरतन के ॥ २ ॥
गोत्रं इच्छे कीनी मनु हारा पा

सायर ॥ १ ॥

मेरी सुद्धां तुम नन्नीता कहते हैं तनी रार आनां ॥ १ ॥
रिड पंजीत जगी रघोनी ॥ २ ॥ दे जाव ड्ड्यो ह ॥ ३ ॥
सायर सुनत अंडले ॥ ४ ॥ मात वांता दे हाथी ववा
यो छंपती के मन रस ॥ ५ ॥ पंजीनां न धाम ही
गयो ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ए पंजी सायर ल
ए ने धन हाय तो ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥
न ही न य ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥
महा जती अंड ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥
सुद्धे जप ही ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥
॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥
सुद्धि ग्रह डरी ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
छो हरो ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥
लाना ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥
यो पा ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥
पनी पशंवार ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥
जो लन खाओ जाना ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
जंन जपनी ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥
॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥
॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥ ॥ १०१ ॥ ॥ १०२ ॥ ॥ १०३ ॥ ॥ १०४ ॥
॥ १०५ ॥ ॥ १०६ ॥ ॥ १०७ ॥ ॥ १०८ ॥ ॥ १०९ ॥ ॥ ११० ॥

रीजायसलुखो गुरुननहां तांहांयां लेणीं पां हाग
 हुनरया तांहां मारे पां लागाओ हूँ ज्यै नारी मेघजन
 रनज्यो नीहाहर छां डां तां तनु ठाहर ने छ मांडो पां हो
 जेग नीजायस हूँ लाय पहाये पां मिलि सगरे छी नी हा
 हर आये पां जो लहु डौन न अज नी गो दीवस या
 रव हार र नी गो पा

हाग जायक

तामघ ज न अज जे हां यी त हीना आग नो अर हाव
 तीन पंडा यो मंत्र हुन न डो नो पर पंय डी ये ते गू हू -
 छि नो पां मि हो जय न दे हूँ न सा डर तां मिलि नो न य डो हो
 ते रे या डरा ज हुत ड जां न मि ला यो मि हूँ हां हां हां हां हां
 मां हो वार ता डरा पा

श्लोक

॥ अरी मारे मृदुभावेन न च गात्रेण बुद्धिमानः ॥

॥ अरी नाशयते नीत्या यथा वलम हाद्रुमं ॥ १५०

तायो पां हो ता सुष्ठु मरु प ल हूँ हुम य द हूँ हां हां म ल -
 गात डी ये त न ज द हूँ हां सिगरो ज छ प सरी जे हां हां ज
 मुल स मु ह ल हि मे हां हां जे . जां ध ड न स्यो हुन डी नो पा
 ह ड न मरे तां हां जी ध न ही नो मे घ ज र न मंत्रां से ड हूँ
 पां हुन जे ली ज त नो सु लो हां हां डौं न जी ध हु - जे ली
 नरी पां जागे ड्या डो हो यो ज ली पां जी ध यां नि ड र जे ड ज
 ज्यो हां हां नी हां हां स जे डे ज्यु मो हां हां हां हे र त ज धि ड -
 जि ह ड य ली जा यो पां जे ज ली स ड हो त र ज पा यो पा य
 धि न जे ल नि ड र नी हां नी पां ज्यु हूँ स डे छे म ति गा दी पा
 गीं जे ही जे ल तु म रे हो छो री पां ज न पा या ड न हूँ ज

हावीततइनहंसनमानेआत । आगेतर्छसेकहू
 जित्यातापोगागेअधिकरह्योतहांडाडोतयै
 इहपंछीनसोगादोपरोदे गंछीनयेनगरातइन
 हुंसपुछे अघहुजानापायायहरअधहु नगरा
 नीपाअअन्यथगीगारोअिआरोझंनी ताअन्य
 तुमराअोआनोअुद्धिप्रपंअसोसारोझानापा
 तअअथहुंसइहेसुनिहोआयाअुद्धिअेइपीपन्य
 मोहेआयाअत तपेतुमइरोअअनिपाअघेइम
 रमनननेइअहीनंनंअैसेमंत्रइरीअयहोआन
 पानेअरन रोसराअरराबांनैसीइहीतेसीअती
 डीनीपा तरे गीअरअरनीनीपापाअधिकर
 अरयहोपरासोयैअस अआडासखेडारोपाअधि
 इहुंअहुगहीअरनायोपेअीअतअअहोतहुअपावे
 १९०॥ नअलक्षार्छनलछेआनाअयोअानमोहे
 लयोअअनाया खेनतोनगरमोअरापावतो
 हुंसइोअव्यअपारापासोअीअधी दीयेअअउ
 रागीत नलअये अछतेगवारागीडे हुंसअय
 अेइहेराहुअिसीयांनोअरअहोरापावत आ
 तमंअीइही १९१ ॥ अरअरअिअरअिअरअोअअडोया
 अेसिअिधतुमइरीहोपीपावान्योआहोअयोअ
 पनोअपाडा मंअीइहोसोअअमिलडीनोतेरो
 अयनअमाणइरीअीनोअअेअगमिलअैसीअं
 नोपाअअअरनदेहुमनमानी १९२ ॥ अखेअअमि
 सवेडे १९३ ॥ नंहंअार्छअरीअरअनराअागोसो
 अेअअसिअपदायपाइहयोमेअअरनछेहंअंयो

गीरपागयोपसीह संस इनायोतारान्मुन्त जोहो
 त सुजपायोतामपनोमंजीअजामहायोपसमान-
 जोहोतजीपायोतामपनोमंजीअजामहायोपसमान-
 न्नमिलेअंगीरसायोपसमान सलहर छेद्योताप्रीध
 केपेलनननेडोडोतामपनोमंजीअजामहायोपसमान-
 गोडापिपरेहोसिंहारतसुन्तयंत डेननहसहर-
 मिलेतेनोमोदसजायापिपनी गुनीअजामहायोपसमान-
 जसाधेरन्युध्यानाहजामजानघोनानमेयितायोरडम
 नतामपनोमंजीअजामहायोपसमान योपाध
 नतामपनोमंजीअजामहायोपसमान योपाध
 वाहुरहोतामपनोमंजीअजामहायोपसमान निसधिनद्वारेनोप
 त बुधोतामपनोमंजीअजामहायोपसमान न्योमाडयोसो-
 पलमोदीनेमिसडाष्टदेहायेनियपरपंयडोलेह
 न्नमयेतंन्युध्यानाहजामजानघोनानमेयितायोरडम
 चीनोतामपनोमंजीअजामहायोपसमान गुडामुंदमोरपायक
 चीनोतामपनोमंजीअजामहायोपसमान गुडामुंदमोरपायक
 नतामपनोमंजीअजामहायोपसमान योपाध
 हेतहीडैसोतंन्युध्यानाहजामजानघोनानमेयितायोरडम
 समजायेताडा ताधेतेगूहरडागप्रसंगा ता

रसेहन जायः

तासिहन मुगडु जोदेअजामहायोपसमान निसधिनद्वारेनोप
 नतामपनोमंजीअजामहायोपसमान योपाध
 हडोसरल होतामपनोमंजीअजामहायोपसमान निसधिनद्वारेनोप
 जोहोतडुडुअजामहायोपसमान नतामपनोमंजीअजामहायोपसमान-
 मुजमंजायेनलताडहायेतेडहायेयेडासरलर जायेता
 नतामपनोमंजीअजामहायोपसमान योपाध

શ્લોક

॥ યાદિનંપતિતંબિંદુ ॥ માતગર્ભેષુનિર્મિતં ॥ ત
 હીનેલઘીતદૈવં ॥ હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥

પા યોપાઈ ॥ ॥ હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥
 હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥
 હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥
 હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥
 હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥
 હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥
 હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥
 હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥
 હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥
 હાંણદૃષ્ટિદુરં સ્ફરવં ॥ ૨૨૦ ॥

માતૃત્વજ્ઞાન

પા સોરઠો ॥ ॥ મંદુ મરવો જોડ બારીં જોરખડોડેખં
 ધ્યેદો સખરો સંસારો મગપેહેલી સિં ન મુઠાપા

મંદુ બાથક

પા યોગજો ॥ ॥ સિંહનજો ॥ ૩ ॥ કારનકીનો ॥ મગમ
 રાયજો પેના ॥ યદીનો ॥ ત્રીયાકી ॥ ધબ્બીજો ॥ ચીન્યો ॥
 આમે સુખ સંતોષક ॥ ૩ ॥ કારનકીનો ॥ મગમ

માતૃત્વજ્ઞાન

પા સોરઠો ॥ ॥ યદી મરવો જોડ બારીં જોરખડોડેખં
 રીચીતધે ॥ સાં નકોની સોચો ॥ હુને સિંહ હોય સો કરે ॥
 રસ્પા ॥ ॥ યોગજો ॥ ॥ મંદુ સમયોડે ॥ અતી
 સમજાજો ॥ માર તીકે મન જોડનખાઈ ॥ વખલજં ની રી
 ફિરી મંડો ॥ ઘોરી મેરોટકનજોડો ॥ ૩ ॥ કારનકીનો ॥ મગમ
 નીક ફરે ॥ ॥ મામનકીકજુ ॥ ૩ ॥ કારનકીનો ॥ મગમ
 હસગાજો ॥ ૩ ॥ કારનકીનો ॥ મગમ
 હસગાજો ॥ ૩ ॥ કારનકીનો ॥ મગમ
 હસગાજો ॥ ૩ ॥ કારનકીનો ॥ મગમ

हंमकाल हायडसही ॥ ~~कलकल~~ ॥ गंगां कहां लोक स नीपरे

म २ जायड-

तामयुनं ~~नेमावनी~~ ॥ ~~नी~~ ॥ सीपीमे धन होय सया
नी ~~ने~~ तो ~~ने~~ प्रेम ~~हु~~ ~~कुण~~ ~~कर~~ ॥ ततो ~~मे~~ ~~कर~~ ~~पुन~~ ~~री~~ तन
परसो ~~ला~~ ~~यं~~ ~~द्वय~~ ~~कोर~~ ~~र~~ ~~मो~~ ~~ची~~ ~~नी~~ ~~पे~~ ~~जा~~ ~~कु~~ ~~निर~~ ~~वि~~ ~~ड~~ ~~म~~ ~~ख~~ ~~ने~~
तन ~~नी~~ ~~पे~~ ~~जा~~ ~~सि~~ ~~पी~~ ~~न्युं~~ ~~मे~~ ~~घ~~ ~~घ~~ ~~र~~ ~~स~~ ~~सु~~ ~~प~~ ~~पा~~ ~~ये~~ ~~पर~~ ~~से~~ ~~थे~~ ~~स~~
जलरमगमाये ॥ ~~र~~ ~~गा~~

माखती जा ३-

केहे माखती मनोहर मुरांमा ~~मे~~ ~~सो~~ ~~अ~~ ~~त~~ ~~ग्रे~~ ~~ह~~ ~~न~~ ~~ही~~ ~~पु~~ ~~र~~ ~~षा~~
मे तेरे ~~ज~~ ~~य~~ ~~डी~~ ~~र~~ ~~ज~~ ~~न~~ ~~नी~~ ~~ता~~ ~~ते~~ ~~तो~~ ~~प~~ ~~त~~ ~~अ~~ ~~र~~ ~~डी~~ ~~ठा~~ ~~नी~~ ~~ता~~ ~~मे~~

म ६ जायड-

तामाखती ~~हुं~~ ~~न~~ ~~हुं~~ ~~जु~~ ~~जे~~ ~~मे~~ ~~सो~~ ~~न~~ ~~प~~ ~~ती~~ ~~हुं~~ ~~अ~~ ~~र~~ ~~डो~~ ~~स~~ ~~म~~ ~~यो~~ ~~डे~~ ~~से~~
ता ~~डे~~ ~~सो~~ ~~अ~~ ~~र~~ ~~डो~~ ~~सु~~ ~~न~~ ~~ली~~ ~~ने~~ ~~ता~~ ~~तो~~ ~~हुं~~ ~~नी~~ ~~ता~~ ~~डो~~ ~~णि~~ ~~त्तर~~ ~~दी~~ ~~ने~~ ~~ता~~
ता ~~र~~ ~~गा~~

॥ अथ प्रहंग न पतं कर ते ॥

माखती जा ५-

ता नृपतीं ~~अ~~ ~~र~~ ~~ड~~ ~~मो~~ ~~न~~ ~~को~~ ~~रा~~ ~~ना~~ ~~र~~ ~~न~~ ~~ना~~ ~~म~~ ~~ता~~ ~~ही~~ ~~घ~~ ~~ड~~
गान्ता ~~जं~~ ~~न~~ ~~जे~~ ~~ड~~ ~~पी~~ ~~प~~ ~~रां~~ ~~त~~ ~~त~~ ~~ली~~ ~~ने~~ ~~ता~~ ~~मे~~ ~~सो~~ ~~ड~~ ~~छे~~ ~~ड~~ ~~ज~~
ही ~~न~~ ~~ही~~ ~~डी~~ ~~मो~~ ~~तां~~ ~~तां~~ ~~डरे~~ ~~पी~~ ~~हा~~ ~~त्रां~~ ~~या~~ ~~लो~~ ~~ग~~ ~~न~~ ~~कर~~ ~~ही~~ ~~ता~~ ~~णी~~ ~~त~~
टीरी तमन में न्यो धर नी ~~ने~~ ~~अ~~ ~~ज~~ ~~ला~~ ~~खा~~ ~~प्र~~ ~~ध~~ ~~म~~ ~~ड~~ ~~र~~
धरे ~~ता~~ ~~सु~~ ~~से~~ ~~न~~ ~~र~~ ~~ज~~ ~~न~~ ~~डां~~ ~~कर~~ ~~हे~~ ~~ता~~ ~~रां~~ ~~सि~~ ~~ग~~ ~~नी~~ ~~स~~ ~~मे~~ ~~ठे~~
ही ~~जि~~ ~~ता~~ ~~ये~~ ~~ता~~ ~~जे~~ ~~ड~~ ~~अ~~ ~~ड~~ ~~त~~ ~~न~~ ~~नी~~ ~~यी~~ ~~ता~~ ~~ये~~ ~~ता~~ ~~ज~~ ~~ते~~ ~~ज~~ ~~म~~ ~~न~~
न ~~शे~~ ~~ठि~~ ~~जो~~ ~~लो~~ ~~ता~~ ~~गे~~ ~~डां~~ ~~र~~ ~~हा~~ ~~त~~ ~~न~~ ~~जो~~ ~~दा~~ ~~तां~~ ~~तां~~ ~~प~~ ~~र~~ ~~ज~~ ~~ते~~ ~~रे~~ ~~रा~~
डर ~~ध~~ ~~र~~ ~~नी~~ ~~ने~~ ~~अ~~ ~~प~~ ~~ने~~ ~~ज~~ ~~य~~ ~~ड~~ ~~र~~ ~~ही~~ ~~ता~~ ~~अ~~ ~~ज~~ ~~ला~~ ~~प्र~~ ~~थि~~ ~~म~~ ~~जा~~
त ~~ड~~ ~~ग~~ ~~न~~ ~~ने~~ ~~ता~~ ~~र~~ ~~हा~~ ~~त~~ ~~न~~ ~~जो~~ ~~दा~~ ~~तां~~ ~~तां~~ ~~प~~ ~~र~~ ~~ज~~ ~~ते~~ ~~रे~~ ~~रा~~ ~~जे~~ ~~डी~~

आपे हांन जोर दुहु गारी ॥ १६ ॥ सजामेल ननय कुंजरी
 कुंजु जे ॥ पद्मावती तोही झाहा सुजे ॥ प्रियीमांज नही डो
 णि रान्ना ॥ इरन जरन सो को नही डान्ना ॥ १७ ॥ नने छरत्री
 य कुं सुजनां ही ॥ तुंडा हडारण छे ता ही ॥ जे डे जे डे रानन
 डी जारी ॥ ये जपनो लव पहले हारी ॥ १८ ॥ तहां तु नयक
 हा सुज पैये ॥ पाछे ॥ १९ ॥ मुरी सी जही ये ॥ इहो भान सिगरे
 यो ड ह ॥ हरी यल ल डरी डी गत ल ह ॥ पद्मावती सज-
 न सु ड ह ॥ इरतार डी गत को णि न ल ह ॥ मां गे ते सुज ल
 ह न को छे ॥ भिनम जो ह ॥ पूर न हो छे ॥ रंगा माता पीता ज-
 पुरे ड हा डरी ह ॥ ली ज्यो अंड सो छे ॥ इल ड ली ह ॥ हंडा ह
 डो ह ॥ न डरी ह ॥ मन मेरो सो छे ॥ जर जरी ह ॥ २० ॥
 छे हो ॥ २१ ॥ मन ड पुर डी जे ड गत को छे ॥ डो ह ॥ नर ॥
 डं यन डं डर डर ताने ॥ न मिरं य अनु सार ॥ २२ ॥
 यो पा छे ॥ २३ ॥ कुंजरी नन मल तान्यो ॥ जे दो ॥ सु
 ज जे ड ॥ २४ ॥ डो ॥ २५ ॥ म मों कुंज रने न डी डो ॥ न-
 ली जरी ड छु हानी सा हो ॥ २६ ॥ र डो ॥ २७ ॥ म ग र म डो र ह-
 री यल डी ड ॥ २८ ॥ नी या डो ॥ य हा ही ते मा डी ॥ डे तो आप-
 नो न न्यो ॥ डो ॥ २९ ॥ न ह ॥ डर प्रां ॥ त्या न डे मरो ॥ ३० ॥ र डो ॥ ३१ ॥
 ज न न कुंजरी डो ॥ डु न पाये ॥ ३२ ॥ प तारं सज मिल सम जा-
 ओ ॥ ३३ ॥ ज प्र ॥ लाय न रां य ॥ प डायो ॥ सज मं डान ज्या ह
 डो ॥ ३४ ॥ यो ॥ ३५ ॥ ल गू मु ह र त सु ॥ ली ज्यो ॥ ३६ ॥ त ये ड र न
 ॥ ३७ ॥ ज्यो ॥ ३८ ॥ मं ड प र स म ह ल म पै ॥ ३९ ॥ नी ग्र ह न ये
 ॥ ४० ॥ जे ॥ ४१ ॥ डो ॥ ४२ ॥ सज ज्यो ॥ ४३ ॥ डो ॥ ४४ ॥ स मृ ॥ ४५ ॥
 ह ति ड हा य न डी ॥ ४६ ॥ डो ॥ ४७ ॥ स ड ॥ ४८ ॥ आ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥
 रान कुंजरी ॥ ५३ ॥ ज्यो ॥ ५४ ॥ सो धे म ह ल ज न ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥

बांसागेहेडारां जे जे कुंजै से कुंजों कुंजा जाय जै लमा हीमा
 राउला मोनलपंची । तनो दींगही डाहती राखा नैन
 तो बुडकुं । ग्रहुतो जीषधर जायों पंगी

ये रेजा जायड-

रायोपाछी । ननुपु नीजापनी नलेगी । येडुं
 इहा सीजा येडो छी तलवी कहत डोषी पुनी भियारो । सीजा
 ये सो छी जां डोहलत ली । तेंज । दूलीयो । रखा । तजज
 ये हुंज डो नही डापे । तुं तेरी डरनी डूख पैये । मेरो ड । जां डो
 नैह । रखा । तीन पहर निर । समजा छी । ये नरे । मन मे हु
 । जतो मयान लर डन ही होहा । मोकुं दोष सडलत्रो
 यां होहा । डाखें गु । जलरां । वायडारी । पदमावती डीठम
 मरी । यो डां छी यडपरी । गिरला । जी । नपत । अर । जत संज्या
 तरजी । रंगी । लांने । जन्म । डुरन । जी । नो । हुंज पाये । सुज होलही
 ली । ताम । मोसे । जैसी । डीत । डही । जा । डती । ड । ड । ड । ड
 जधरही । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड

म रेजा जायड-

नपत डुअर अपनो जत । रायो । नैसं । जडो । जेह । मंला । ज्यो
 । न्या । २ पुडुषला । डीकुं । डहीये । समजे । जिन । ड । ड । ड । ड । ड । ड
 । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड
 । नारीने । गारया । तुरी । ययने । परी । जीये । तो । डूनी । ग । ड । ड । ड । ड
 । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड

र । लता जायड-

रायोपाछी । त्रीयडांतनं डीशार । पाये । नरलल
 याये । स्थानने । पाये । जेह । तेरे । मन । जेड । न । जाये । ड । ड । ड । ड
 । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड । ड

जित्तीहें नो सीपा पीर सुनाय ॥ ३२ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ ननने ॥
 हे बेचना ज्या पीपा पोपे नी डारत ॥ ३३ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ ३० ॥

॥ ३४ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥

॥ ४१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥

॥ ५१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥

॥ ६१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥

॥ ७१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥

॥ ८१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥

॥ ९१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

॥ १०१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥

॥ १११ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥

॥ १२१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥

॥ १३१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥

॥ १४१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥

॥ १५१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ १५२ ॥ १५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥ १५६ ॥ १५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥

॥ १६१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥ १६५ ॥ १६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥ १६९ ॥ १७० ॥

॥ १७१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ १७२ ॥ १७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥ १७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥

॥ १८१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥ १८५ ॥ १८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥ १८९ ॥ १९० ॥

॥ १९१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ १९२ ॥ १९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥ १९६ ॥ १९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥

॥ २०१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ २०२ ॥ २०३ ॥ २०४ ॥ २०५ ॥ २०६ ॥ २०७ ॥ २०८ ॥ २०९ ॥ २१० ॥

॥ २११ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ २१२ ॥ २१३ ॥ २१४ ॥ २१५ ॥ २१६ ॥ २१७ ॥ २१८ ॥ २१९ ॥ २२० ॥

॥ २२१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ २२२ ॥ २२३ ॥ २२४ ॥ २२५ ॥ २२६ ॥ २२७ ॥ २२८ ॥ २२९ ॥ २३० ॥

॥ २३१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ २३२ ॥ २३३ ॥ २३४ ॥ २३५ ॥ २३६ ॥ २३७ ॥ २३८ ॥ २३९ ॥ २४० ॥

॥ २४१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ २४२ ॥ २४३ ॥ २४४ ॥ २४५ ॥ २४६ ॥ २४७ ॥ २४८ ॥ २४९ ॥ २५० ॥

॥ २५१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ २५२ ॥ २५३ ॥ २५४ ॥ २५५ ॥ २५६ ॥ २५७ ॥ २५८ ॥ २५९ ॥ २६० ॥

॥ २६१ ॥ सीपा ॥ ७ ॥ २६२ ॥ २६३ ॥ २६४ ॥ २६५ ॥ २६६ ॥ २६७ ॥ २६८ ॥ २६९ ॥ २७० ॥

पश्योपाध्यायं पं. पं. चोथोरी च धमेरीपद्माशब्दः

ग्याही गल्ले रोंतुं चडोर होय दूरहि. इंगाम ज्ञाया गरल्लु

वंशमहीययुद्धीतारिगयद्विजयन ॥ नतलयपारिगयन ॥

मादसर्गः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मनसांका रहीपुनी

जातदधुखेपिहसरासिह

श्री नन्दसुखासार गद्ययोजनाशेखनांजलि तात्परीनिर्दिष्टता

सो गी नरे नरे नरे नाथ गी पांशे । ॥ १ ॥

दोहो नीय प्रसीदन् । ते वासाय प्रीतते इहो ज्येष्ठोऽपि मानुः ।

मं न ह्येषां ययानं राग्नेसी प्रीतसोऽ नीघनीपान्तर

जिनारायण आपत्तनाथा कायडु गुरुद्वयमायानिष

[illegible]

॥ तिङ्गन्तव्यं नान्यथा ॥

[illegible]

तजः॥ कामातुराणां नमस्त्वनमः॥ जितरागात्मना
नमः॥ १॥

ନିମ୍ନଲିଖିତ ନାମ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

सुखमयं त्रैलोक्यं हि वाङ्मनसादौ समाधाय वै॥३॥ न मनोऽपि

ਭੇਸਾਂ: ਗੁਣਗੁਣਾਂ ਪਾਏ ਹੋਏ: ਭੇਸਾਂ: ਭੇਸਾਂ: ਸੋ ਗੁਣਗੁਣਾਂ ਪਾਏ ਮਨੀਯ

अतीसांउज्जा

नतमालज्जाय

॥ नेतमालनं पेर नभाषितै मोर कहा कहे नभाषितै सख
नगभाषितै ये के ये तै तड तै वही नने के जं दे ॥ ३५ ॥ ॥

श्लोक

॥ देवाधिनं जगत्सर्वं ॥ मंत्राधिनं चैव ह ॥ ते मं-
त्रा ब्राह्मणाधिना ॥ तस्मात् ब्राह्मणदेवता ॥ ३५ ॥

मालतीजाय

॥ योपाधि ॥ ॥ ये से मंत्र सजी सुज तेरे ॥ डान नभा-
ये ये कही मेरे ॥ मधु मधु करत भ होत ही न जीते ॥ ते तीस
को ड कहां ते ॥ तो रे ॥ न्यो कत्त रो ॥ नभाषितै ॥ मुक्त
मालगन कुठन नाये ॥ म गां धर म गी डी गती ॥ नयि
ने ॥ ते रे मंत्र ये ॥ गत किने ॥ ३५ ॥ ॥ हो हो ॥

॥ ॥ मग मग न सीर स्यात् सुत पंग सुभ
गपी मग मग न सीर स्यात् सुत पंग सुभ

॥ ॥ ॥ योपाधि ॥ ॥ तो मो प्रा न न ही ड
॥ अंतरा ॥ भिंध ना रे ॥ ये हो जी बंतरा ॥ मो मर ते तुनी
ये मर ही ॥ तुनी ते मंत्र डान कहा कर ॥ ३५ ॥ ॥

नतमालजाय

॥ नेतमाल ॥ ॥ रां गी त र डी नो ॥ तै जप न स मे रे सी र दी ने
॥ लय प्रपं य मधु मो ॥ दुरा ये ॥ ने डन ड ज हु ले द ज ता ॥

॥ ॥ ॥ सार ॥ ॥ ॥ पल दू प्रा न दू प्री न
॥ म न य य म डी क री ॥ पी ड जाय स डी ॥ त ॥ ते मो सु म
न मे ध री ॥ गी न न य न डी ला न ॥ त द छे ॥ ती ॥ से ॥ ये
सर न ता को डान ॥ ही त ड पर ॥ ३५ ॥ ॥ ॥ ॥

मालतीजाय

॥ योपाधि ॥ ॥ मालती ॥ ॥ पटांनी ॥ मेरी

प्राप्तोपाधि — तां व्यायन्तोऽङ्गं यन्त्रेणां विना ये च पु-
 रान सकल रक्षा दापि तां परणीपंगार पुण्यं नी भैसां परदु-
 प्रसमोपाप नही है सो तां उरंगां ओछे ओछी पुण्य नीयारे
 अडो अडाधि डरत न नी हारे ओछे हतो आर्हा स नने लछि-
 ता पीतर र ने के न्न ओछी नां गंगा

नेतमाला

नेत न्नीमालती पीतलाये तां अरो नूनमन दुष्पारे
 ताधीरन राजन या ददते रो तां इन्द्रो ज्ञातये प्र अज मे
 रेतं ज्ञेतां के तो गगन मंदर पीरें तां के हते छिमे अज
 वंधू तां सरग पताल अंक डर जां तां के हतो जिन पावक सुं
 रांधू तां उतां के तो नगन न हनि ह डर तां के हतो जी सं वन-
 संगी रां माहे तां के हतो पीर डर करी न ह तां के हतो विष्णु सु-
 डाधि ज्ञेतां के हते अरु अरु अरु अरु अरु अरु अरु अरु अरु
 विता पीतली न तां तां के हतो मेघ अनरीत पर जां तां
 हेतो अष्ट धात जीरी छजि तां पां मलीन मंत्र हं डे ते क न्न नु
 तां सुरनर सकल जां थं के आं नु तां ने मधुने ड दे जवे पां तां पं
 छी लो गृही है अज लां तां मधुडी च ध राम सरोजर पां तां
 हूती दे प्र ने त पें आं तां दिन दु अरी सुन ते पीर धां तां माल-
 ती कां महेत पीत लां तां मंत्र मोहनी मुज ओ प्यर ही तां
 असी डरन जां नी मुज धर ही तां थोरे जे स पुण्य जल पुरी तां पर
 हीत काम डरन कुं सुरी तां तां ले ह डारी सजी रोणि यारा तां स-
 न्नीने ह तां सां स पुण्य तां तां तां तां तां तां तां तां तां तां
 तां डर डर ने र अ ए डर तां तां

श्लोक

आदौ मंजन चारु चरनी लंकने त्रांजनं कुंडलं ॥ नांशा

मुक्तिक पुष्पहार धवलं दणकारतानेपुर ॥ अंगे
चंदन कंचुकी मणी मयिर द्वावलिघंटिका ॥ तांबु
लंकर कंकण चरता गार ते ओडषा ॥ ३७० ॥

तयोपाधि ॥ तमननयारव्याणि रहरागडरंडकए-
नेपुर अण्डारा ॥ तांलडलालने नदीये अंगना ॥ ३७१ ॥
क्काइल मन रंनना ॥ तन डंयन में डंयुडी अलडो इरी
परछुड ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥
डीर वंजनां रचा रत ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥
नंदेये मन ॥ नीयर मोह ॥ मत्तगयं रया लगती सोह ॥
गुल मोह तीतही मन मोह ॥ गी ॥ सरवर नीकट समीपे आ ॥
मधु जेल तं जेल ॥ जपाणी पेहले या ॥ ३७२ ॥ अंगी ॥
डिसो आतु ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥
छेमंत्र सकत इरी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥
मांस मंड ॥ डारन डहणी ॥ म ॥ लती डुसुम जूह स्यल रा-
ज्यो ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥

नेत माए जाअ

पासार ॥ ३७३ ॥ तपाडर ॥ लगसर मूरा ॥ प्रेमन पूछे
तपाडर ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥

म ॥ जाअड

र ॥ नेअ मंस धरी मां नी ॥ जालह तोड ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥
सही डोना ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥ अंगी ॥

नेत ॥ ३७४ ॥ जाअड

तपाडर ॥ जार ॥ मासा ॥ सकल डुसुम मधु डर रहे ॥ रीअ
ड पलास ॥ दोस धरे सीर मालता ॥ ३७५ ॥ तयोपाधि ॥

॥ ३७६ ॥ ॥ रीअ ॥ अड पलास डटा ॥ सुचरा ॥ सचरा ॥

ह पाछे ममनमों घरी जुरी नही जुझे तातो तीह प्रेम इहां ते
 सुजे आइणा मधुजायक

॥ योगीतो योग जल जल पै ॥ औ चरन न होये डल पै ॥ म-
 धु डरने रमावती तनु हो ॥ आइ पलास डरायन लनु हो ॥ ॥

बेत मात जाय

॥ सोर डो ॥ ॥ इल हं न आवे ॥ ना ॥ कुसुम डो ॥ विपरसेन
 ॥ ॥ आबर आइ पलासा ॥ मधु डरनी ॥ तास तुमा डरा ॥

मधुजायक

॥ दाह ॥ ॥ तुम अजे कुम आइ से ॥ म ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ये लसमी दी ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ सुन बेता ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

बेत मात जाय

॥ सोर डो ॥ ॥ प्रथम र ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 माय डो ॥
 ॥

मधुजायक

॥ रोहो ॥ ॥ ॥ सुपायक ननी डो ॥ म ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥

बेत मात जायक

॥ सोर डो ॥
 गुन घनी ॥

मधुजायक

॥ रोहो ॥ ॥ ॥ सरपं नर ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥

बेत मात जायक

॥ ओर डो ॥
 ॥

संभं अतीत्य लाजो सांजी सीजा मूल लो छजो गेहं मन्दी
अरपावड नरे गां बिधी लो . अर डेरी गत करुणा नरे सां सव
ती नरी डछु अडे जंय्या चीन दोयड रही भानतन पंय्या मधु
डर प्रीत लो हून परजी गां नरत मा लती नें नही नरंजी गां
दीयस् . सेर डी नी डेरी गां जिने ज्यन सेवती ऐरी गां मे नीरजी
सज गती ती हारां गां मरुं प्रीत डेर ती हारां गां गेगां

सवतीजाय.

[illegible]

॥ अग्रे तीर्थं देवतं ॥ न च गच्छेत्तं गच्छेत्तं ॥ रातन-
ननेके ॥ न स्मय ॥ अतः गच्छेत्तं ॥

वेतमालज्यः

गोबिन्दरी धि गङ्गातीरामधुकरनरनसंगोप्रीतलननधन न
गत गोबिन्दस्मयदायतगङ्गागङ्गा

मृ. जायडू.

पान्थनरी छेहं डेतडां पातजमं नह तेसंगा छार छी डाज
नह मरहे पांसे डार नहुं गंगा पांसा

नतः। लम्भायकः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

संघनीष्टतनरुद्रासां जांहीनैतद्विनदेहीमधुमे
सेंसीगरी सुनरेहीमधुमे

મ. જા. અ. ૩.

[illegible]

मैत्रेयसंज्ञायाः

गाये - तीजती अड जात दगा घापीगा तेती अडे में तुम आगे -
 आपीगा अने लूखेतो ीर करी गुनियेगा तो साथी तेरे सुख -
 सुनियेगा गा ॥८॥ आथकः

જાહેર બાયંડર

[illegible]

तथीतधारी॥ जेहू जयनइही देहू प्रबरी॥ पेनापयन
प्रतीतप्रीतइगद्यी॥ पतीभीलेद्यीतहां सांपी॥
जुनडोषीजिपदोरा नडादे॥ प्रेमनेमडोषी घटेन जादे॥

पेवनजायइ-

॥ सोरडो॥ ॥ माखती समोन प्रेमा॥ मधुकरसों प्री-
तम नही॥ डोंन नीलायेनेमा॥ मनमाजाया इर्मनाप-
रा॥ ॥ दोहो॥ ॥ प्रेमप्रीतमधुमाखती॥ डो-
षी घटेन लेजा॥ मीसडागहले घोईयो॥ जेही परंतर पे-
जा॥ ॥ योपाठी॥ ॥ पयन जयन सुन-
के लम लागे॥ जलीजुय जयगगनसे लागे॥ इनी अ-
जतारवनीइ ग्रहलीनो॥ जेहू प्रपंयडी हडारन डीनो॥
॥ माखती ननम नृपतडी इनिडा॥ तुमतो लये साहडे-
खरिडा॥ तुम अनोईहां अंतरपरही॥ नृपकुजरीसों नृ-
पकुंवरही॥ पू॥ मेरी सुधनलैहे डोई॥ रान्नजनीइ जया-
हू डीत ॥ ऐसी तुम म॥ मनमें जुलां॥ इतीडोगत
कछु न सुली॥ ॥ तुमजायांही देव अजतारी॥ जिनडों
नृत्यइ ॥ ॥ न्या ॥ ॥ मा गा ॥ रावरंइकरयदेहें॥ इंय-
न बिनाकछु ॥ तनबडे॥ ॥ गी॥ देवनडी जितपती सुनाजि
॥ निंदा ॥ ॥ आपे ॥ ॥ जगो॥ ॥ यावे मोहे ॥ ॥ ॥
ने ॥ ॥ मधु ॥ समजावो॥ ॥ ॥

म॥ जायइ-

॥ दोहो॥ ॥ सजे ॥ ॥ चानपछंड ॥ मा॥ नैतमाख सु-
न जैनो॥ पूरवती ॥ रवगई वेयासूरवे ॥ ना॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ पूरवली जातां सजछंडो॥ वेतो॥

हेरीगत जैसी नैसैं बरे दे सके लावा लात्मन नेयन परे-
खंजारा ॥ १ ॥ मृदु जायक

तु छेह ज तडोन पर करेह ॥ पतंगत हांन ही पड न रहेहो रा
बडा बगति खेडन पुत्रे ॥ द्वि-हं लीप मागयो सुजे ॥
७ ॥ सीज हूं नथ जात डी डीली ॥ नापा छे ॥ मडरो अडीली
॥ देजी सुनी न डज हू डीने ॥ अ-प्रे-हू-हू-हू-हू-गीत धीने ॥

श्लोक-

॥ श्रांते सुरा भये दीना ॥ परस्पर विरोधिनः ॥

॥ न विप्राः प्रथवी योग्या ॥ भीसा योग्या पुनः पुनः ॥ २

॥ यो पाछो ॥ ॥ घर छांडे रहा डज न ल रहे ॥ पर सप-
रे अती जीग्रह करेह ॥ स्यारथ तृष्ट्या अती ही आदी ॥ ता
थें लीज डपास ही यादी ॥ डा-न्यो-यडोर पाच डल ज ड रहे
॥ पंछी ओर छुवत नर म रहे ॥ रा बडा बडी गत हें न्यारी ॥
डो लुने गुजे डी जारी ॥ ॥

नतमाल जाय -

॥ मधु खेरु अथन मान नीर धारी ॥ अपेनी गेर ब खेर हे
जारी ॥ तुम घोषी मिलन लिप्यो डीर तारा ॥ न ज त ज गंगा
सोरं पारा ॥ ७ ॥ नर अती आप सयांन प ड रही ॥ नें लो-त्री
या सुं हाम न पर ही ॥ डमल डटा क्ष बाए ॥ जेर ल गें ॥ ज्ञान
प्यान स ज ही त ब ला जें ॥ ६ ॥ ॥ अ-स्था छं हें

॥ ॥ प्रत्यवती विवेक ॥ २ ॥ विदूषा मपी सतां ल-
यनु ॥ या वं न पति तौ र छी ॥ स्ताय ते यर स्त्री एतां ॥ ॥

॥ दोहो ॥ ॥ त ड न पु र ड ग्रह ज ड ज्यो ॥ ता लो ड ॥
सयांन ॥ नें लो-गीर ले हे न ही ॥ त्रीय डग वारों ब जान प

॥ ॥ ॥ यो पाछो ॥ ॥ पु-पु-जात न डि कर ल

रासापदगरहमीरगरकसङ्गोसोपैसंगमज्जानरहीसुपरी
 रामानुछैरनुयनपैगितरीगङ्गातनुनमनालडीधोद्रुमगो
 लागैकदलीसुतसुंदरसोत्तासापदज्जानुजहोतछवि
 पायेगीमानुजालससिन्योआयेगीराजंगुरीकलीकनेरज
 नाछोइनीपोहयेपोहोयीछवीपाछोभैसंडमलकङ्कजली
 वागोसयपायोषिमगेरसपाजोडागालीइमलहारकय
 टीभैसीगाइनित्रीधलीरंनिततहाईसीपाेडीकामअदनडुकी
 नीगाईविधज्जानजंगुरीयांहीनीगातलंगीकदीदेहरीडे
 जहीमानुहुंदटपेरजनिजजहीतापदछुदपरीडाजांधी
 रामनुजपितुछन्ननिडेसांधीपाइकनडधिलकदलीनंधसो
 हापीडरीकामतरकसीमोहादेतडीकलीजहूरछविभैसी
 जेडीछैशायनइलनैसीगागरावहीयरनमलरधिजंसी
 गगनमरावदेरीगतनंसीगनेपुररयंहिसुरतकुसुरोमानु
 हुंशमइतहंपुरेगागाछेहोगागाहाइमज्जालनजंग
 सवोइनि सिंगारनयसतगीलरीसोत्तागेनजंग
 जहंधेभैहगतागागायोपाछोगात्रीयतज
 नसतहेसोत्तङ्गीसोगतगीलरीलछेलोकनगाजंगजो
 पेसोवहसिंगारागाइनीसससिज्जालनजारागागा
 छेहोगागाकासोगारज्जाछेसोइनीसोलाहोयो
 जिजलङ्गाजनरावहीगासायीसोत्तासोयापेगोगा
 योपाछोगागामालतीजीचणनतनसोहोसोला
 सीरोछेपीमनमोरांतीनलोड्डोहूनछेनहोछोविपन
 जेडधरीहंछेछेपनीगाछेहोगागामयुल्ल
 ल्योछवीनीरजडेगाछेतरजेहनहोयागामालतीजयनक
 हाइहोमीतरेसुनीयोसोयापेगो

मालतिजाय

अटरितभारेहमासलोयातइमरहीपियासपे स्वासपुंछेपे
यसअनेनृपितन नेयेतासपेउता

मं जायइ

तसोर ॥ तं अहासयाने लोयो ॥ तुमसें डेतीक
गेलागे मीलेन रोयो ॥ मनमाती न मालती ॥ गी ॥ न्य
छया ॥ चिनन रोयो ॥ अहे गतमनडी भुजीये ॥ अहे रोरी
अहे रोरी ॥ मां अएतक मीलायीये ॥ पो ॥ ॥ ॥

नेतमालजायइ

श्लोक

अजायुं रुषिआइ ॥ दंपत्योः क्षेत्रा मेव च ॥

चत्वारो निष्फलायांती ॥ प्रभाते मेघडंबर ॥ ६ ॥

तयोपाछो ॥ अन्ननुसूरीरयोदनपरहे ॥ दिनेडे
अहंलभतिइरेहो ॥ पंछडाहनीरानाहीन्यारो ॥ अह
भेन निशतघनडारो ॥ गी ॥ निरसजयन तुममुजणीयरीह
त सुनतमालतीअजहीमरेहो ॥ सजेसयानपनछेहेले
रो ॥ मधुछेह सत्यजयन न मेरो ॥ पो

मधुजायइ

जेहे जयजारीपीतइदि ॥ दिरीपीलीधारनइअहउ
गां ॥ यतंसत्यनतगुं मेरो ॥ इरीहो नेतइहांलोडैरो ॥
॥ पोहो ॥ ॥ यतंसत्यनछंडीये ॥ नारी
गी ॥ पोहो ॥ ॥ यतंसत्यनछंडीये ॥ नारी

त ॥ लतीजायइ ॥ सोरहो ॥

मालतीमनहां जीन्यारो ॥ मधुडारन जानीहेहो ॥ सायि
जातसुनायोडोहो ॥ मना सत्यडेसेल ॥ गी ॥ ॥

मधुजायका हो गो

सुनत मालती मधु सत डोहा जैसी डरे न डोया ऐनय
गसत्य छांडी ओ गती में नांडी न रा

मालती जायका यो पाछे

तने जे मालती मधु जैसी मने ना सत्य डी जात सा डेरी
मधु जमन हूती जैसी डहीयो मने नांडो सत्य डे सोरहीयो

मधुजायका

मधुजायका

मधु जमन मालती मने नांडी जात मने ना सत्य हें जापने हा
यो सत्य मने नांडो तो ही सुजाणी थोरी सी जाते गुनगाणी

अथ प्रसंग में नां सत्ये

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका मधुजायका

हरसें हीरा जलकुंता पांहां मोती सायाल कुंता सज्जम
हाबन मीलस मुद्दे नंहे हीराय एन डेरेंगे जां हारा ॥
घोहो ॥ ॥ परदीपुं महाबन बखो ॥ हमें यालन-
हारा ॥ तालन साहा जे सी डेहो ॥ त्रीया मेनां सुजे जारा ॥
परजा ॥ **मेनां जायड**

॥ यो पाछो ॥ ॥ सुनो साह जे मंदीर मालीयां ॥ यो डं
जंघ हाये दालीयां ॥ लरे लंडार सो अंतनां पारो ॥ घर जे
बुढे डरतारा ॥ परगा जे श्री महारा नडी यीता ॥ छैण मंदीर
भेर हो नयीता ॥ जाली ये सजाप मो घर छेणि ॥ छोटो मो-
होटो जेर न डोणि ॥ परसा

श्लोक

विद्या मित्र प्रदेत्रां च ॥ भार्या मित्र ग्रहेषु च ॥ धन
मित्र आतुरे श्वैव ॥ धर्म मित्र मर्णांतकः ॥ ६

॥ यो पाछो ॥ ॥ तासुं घडी जे ड जिलंजन जे डी नो
मेरे जयन जे ही खून लीनो ॥ जे मंदीर डरो जिला सा ॥ प
देरी गये घर डी सी जा सा ॥ गा

तालन साह जायड

॥ घोहो ॥ ॥ सुन मेनां हम जाय हें मास जे ड में वा
सा ॥ तुम मंदीर मो नंडरो जां धो मो होटी जा सा ॥ ॥
यो पाछो ॥ ॥ मन में चिंता तुम लुन डरी हो ॥ हरी
डो ना भंर हरे णियरी हो ॥ छैण जयन डही साहा जल हें
॥ जे ड सहस्र महाबन तहां मील हें ॥ ॥ तालन साहा
परदेरी गये ॥ मेना मन णी घसी लये ॥ डानर तील ड तने स
एगारा ॥ मेनां नीर लरे नय मारा ॥ पेडो ॥ जीत नाह स
ज दी ये जी सारी ॥ दीन दीन डे प घटत हें नारी ॥ पर पुरुष

हुती जायकु

हुती जयन दीनता डारी ॥ इपर इपरोये मुज धारी ॥ तेरो हुजे
 ज मरत हु मेंना ॥ साहेर गंग जेहे मेरे नेना ॥ १ ॥ जेह रीत
 जबाड जरे जेयया सारा ॥ सज डोषि संत्ना ले जपे नो घर जा
 रा ॥ दीप गये सो छे जायन हुरे ॥ तेरो कुंधि नरे जुं प्यारे ॥ पा
 ये घर रहे सो डरे जिलासा ॥ परे री गये डी डे सी आसा ॥ छे
 रीत हुजी जे डेली नारी ॥ या डे डंधन हं घर जारी ॥ पप ॥ ॥
 दोहो ॥ ॥ तेरो हुजे जे डे मरत हं, जोल जयन दे मो
 या ॥ जे सो मनयो डस लमरा ॥ सो आन भीलायु तोया ॥ पप ॥

मेंना जायकु

॥ सोर डो ॥ ॥ पुरष परायो सोया जपने यीत में ड्युंध
 रा ॥ न डे या डी देहा ॥ जे दीन जे से ही ल डे ॥ पुर पुर प सुने म
 ॥ जे सी तो मन में धर ॥ हं सत्य छां डे ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नो ॥ ॥ ॥ हुती जायकु ॥ ॥ ॥

॥ ये तो जे जन नया ॥ मालनी मेंना सुं डे ॥ मनिष बंन म डे
 लाया ॥ टेड जंध डे से रहे ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

छे रीत जे जन लाडी लो ॥ जेणे गमाये डया ॥ मालन जो
 ले पापिनी ॥ तो हं रसियो छे मिजाया ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ हुत जयन जे मालनी डहीये ॥ मेंना धाय डेर मुज
 थहीये ॥ तीपे येन सो डे ने ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

मेंना जायकु

॥ लाब डुए तेरी मोहे नही आये ॥ जे से जोलत डे से पती
 पाये ॥ डादुता ह नारी डो लया ॥ जे ड जो ड लुन हुन डी या ॥

॥ ॥ जे ड जे ड डर लया ने देहा ॥ युग हुसरे डो नाम न लेहा ॥ जे
 सी मोहे हुं डहा सुनाये ॥ मेरे मन जे डे नही लाये ॥ ॥ ॥ ॥

हस्तांज्जायः

॥ सोरडो ॥ ॥ नारी जेकी सेनां स्त्राजन तो जलसे ध
 ने ॥ पांणी होय डरेना ॥ साहय ए साही जजाहीरी ॥ पां स्त्रा
 जन म मडे जीना ॥ सधैर जे जहिं डोलना ॥ सज जो जे ले तीना ॥
 सायधन सुनी पीया बिना ॥ १॥ ॥ यो पाछो ॥ ॥
 साही न में नां ज्ञान तुलाना ॥ धर धर सज्जी ही डोलन तांना ॥ डं
 धि सुहागी ए मूले यांना ॥ गांने घेरो ज्ञापगी रांना ॥ ॥ ॥
 सोरडो ॥ ॥ गुन सुं डीने नेहो ॥ तासूं होयु गधीर रेहो ता
 सूं डे सो सनेहो ॥ हुटे डया सुतनु ॥ पं ॥ जे ड जल जडावा ॥
 तासजी सासें नां रेहो ॥ डल डल जल सर सवाहा ॥ प्रीत रीत ड
 रेहो जियो ॥ पं ॥

मेंनांज्जायः

॥ यो पाछो ॥ ॥ रीत मानुं लालन धर जाये ॥ न हेत
 मेंनां भान गमाये ॥ सुन मालनी सज जंग में हाडा जेतन
 लेह जंगान में ॥ १॥ ॥ सुं पापनी मोहे पाप सुनाये ॥ र्छेन
 जाते डें सें पती पाये ॥ जेतो जात तो हुं डही ये ॥ या डे लय माने
 थूं सहीये ॥ ॥ ॥ सोरडो ॥ ॥ मे म पीया रे सोय
 ॥ गुणाय यरी में डर गहो ॥ जयर न हुने डोयो ॥ मालन सुन में
 नां डेहो ॥ ॥ ॥ दोहो ॥ ॥ ये जे जल लालन जी
 ना नारी डं तन जारा प्रीत ने छे छे एलांत सुं होय सुरग सु
 जडारा ॥ ॥ ॥ हस्ति जायडो ॥ ॥ लाछे घेरो घ
 म घ मे ॥ री ए जंधारी होया ॥ सेनां जेकी सुं छरी ॥ जे हुं जल
 जे मोया ॥ ॥ लाछे रीत सोहां मणी ॥ डंधरो डी जे डारा ॥ डंडो
 डिल बिलंजी रेहो ॥ गुं गल मोती हारा ॥ पं ॥ ॥
 यो पाछो ॥ ॥ सरसूता लय जाहर मागे ॥ छे रीत

[illegible]

मेलांजाय

पादनिधेयपायसररततयागोलेतीव्यातमोरेणतं लाथो
 कुयवमासइसोअनुसाइमोलेभसंसारणिन्नरपरात्मो
 लुगतीतासंरातमां पैलुं तंमालनांअंदांरीन्नं
 इलंडकुणलयआपिलगायुतां नोलातनकुंइहांअं
 लांपांतां पांरोपां पांयांनेअनलातन-
 आंन पांनरीइ तनछारांप्रीतयां ऐनत्तांतसुतांहोयेसु
 रगमुजिडा पांतां सोरहोतां पांइ तंहमापेठंपां
 माली- जोलपेपि पांतांइहाहोऐयेयंततांमनछारांजोआ
 पणीतांपां पांतीजायइतां पांहीनेहपिणि
 पांतांजानेपीनेजिलसनेतांगयेनमुंडलगायोंसायुइर
 इरसंयी- जेतांतां पांयोपांतां पांयुगयो
 नलंगतसंसाइपापीतमजेलजो नेतजिआइतांहात्मगम

[illegible]

॥ अघनमासदीन सोया दीवस घटे रेंणी यघे ॥ भीत हरो स
अडोया ॥ चूटेने हजे हेरे येदो ॥ ३॥

[illegible]

PRINCIPLE

॥ योषाछो ॥ ॥ श्रीनमोहागडेसेकुंमकुंम जंगारोंसेंदूर ॥

जुहीनहं जेणी मगांगीतनाहं एधरसीहारेसकं वड्यीन

ॐ कृ य पी चो नो णे ॥ तन्वा पा णे ॥ तन्नेत्र मास -

तसो हेतु साधारण जन जनान्तराद्वयतयुं नराणो जगद्गुरु

समृद्ध सज्जनार्योऽङ्गमनी इवेमन्न सत्तायेऽङ्गीकारेन.

समेनसेनसुधादीपीयाप्रैमइवतजहहारेगोवालीन

सहेवेसतुमारी॥तोसेंजयनसुनावतहारी॥॥ ॥

घोहो॥ ॥येसजसंतपरमरस॥येहयानयेहलोगा॥

सज्जप्रथयी तुमहे जडे पाडुहा इरतहे लो गांशा ॥ ११ मेंनां

ज्यायका ॥ ॥ योपाणी ॥ ॥ मेंनां बहामाखीनुं बर

शार्ङ्गाज्योहोतस्नांल्यपतराणेनांही॥ दुतीदुतज्ययन्नसज

लेरा॥ मेरेने न ग्याये नेरा॥ ६३॥ पछोहो॥ ॥

रीतग्रणीरितरसधेरसांसोमोहेजयनसुनायोरतेसधे

सन्नाय गीतमण्डलालन घरआयोदिनि

तीर्थायतः

॥ सोरठो ॥ ॥ जेह जे लीने धायो सायधन योजन

॥ एतान्मांनानि ह एतेनयाप्यभक्ताद्योपाधे रंहेनया ॥

ॐ ह्रीं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ऐनरीत तः एी अेइली॥ मुरणकुं समआय॥

કોપલ્લત્ત નાં નયોનાની એકેલી પીણી

जीनों।। घेए रात झुं समझायो सेन पीणि जिन सुंद

हानेइनलालन पाछे ॥ १॥ संधि सी गगारबोलनपाछे ॥
 हां र रणीगो लोड ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

मेनां लावन सेइ

॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

जुधो ॥ ३ ॥ सो सज्जो यो ॥ मन हो नी हो नी न हो ॥ हो नी हो य सो
 हा यो ॥ ४ ॥ वटा ये ड सुख छनो ॥ ते रहे तो पर जल ॥ ५ ॥ सज्ज पं
 छीन ते ॥ ये ड से लल ॥ ६ ॥ रा ज्यो डर तारा ॥ ७ ॥ ॥ ॥

मं २ जायड-

॥ यो पाछो ॥ ॥ मालता ॥ १ ॥ नु पु नु ने जै सी ॥ २ ॥ सु वटा डी पल रा
 ॥ ३ ॥ सी ॥ ४ ॥ पंछा ॥ ५ ॥ नु प स ड ज हो ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

मालती जाय-

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

श्रीचान्द्रसेन लरायो॥ अजहं जोलहं तो मोहे मोरे॥
 डरे प्रपंच तो सूयटा हारे॥ डामन में रीं स डरते हं सा सो॥
 सुयटा हरे मे डरे तमा सो॥ सज पंछी छा लायु हुकारी॥ ते
 री भाजि डी जणि नारी॥ १॥ ॥ दोहो॥ ॥ नय ड
 रन तजरी स डरी॥ डी डो पंज पसारो॥ अंतर गुय में आय
 टे॥ डून लहे संसारो॥ पा॥ ॥ यो पाछो॥ ॥
 डोयल डं प डी डो सीर जारी॥ सज पंछी न सुं डरी पो ड
 री॥ मेरी मेहेरी सुयटे जाही॥ अजहं डर जल लेह न्ह
 ॥ १॥ सज पंछी मीलडे पुछे जांनी॥ नेह जुधी तुम डयो
 डर डानी॥ मेहेरी तेरी आब मील युं॥ डसी तुम डेहे डर
 न न्हि॥ १॥ ॥ दोहो॥ ॥ पंछी हण जो गुं
 मीलो॥ सुन सुयटा णि पर आं यो॥ डोयल सुं संग म डरो॥ अ
 ज नारी डी त नया॥ १॥ सुयटो समरे राम डू॥ पंछी डरे पो
 डारो॥ ये पंछी मोहे मारी हें॥ अज तुही राजे डरतारो॥ १॥
 सज पंछी लेगे लये॥ मो पर डो प यही आयो॥ अज डे रा
 ओ सामेरो॥ पंछी पर डे टायो॥ १॥ अही डरे नां डरता सु
 नी॥ मन में णि पण लाबा॥ अज डे सुयटा राजी हूं॥ वेसी ल
 छे अया बा॥ १॥

डोयल जायड

॥ सज पंछी सुं युं डे हें॥ डून डेहे ये ही छधा॥ डे मोही डसी न
 न हो॥ डे सुयटा लावो जांधा॥ डरो॥ सज पंछी पर जल य
 दो॥ सुयटा णि पर नया॥ मेघ घटा युं णिलटी॥ मारो मार जो
 लायो॥ डो अज सार स पंछी मीलो॥ डोयल डग अ पारो हं
 समोर य डोर सजा॥ पंछी पांथ ह न्नरो॥ १॥ पंछी णिलटे पो
 डार सुना॥ ललाली डोयल नारो॥ सुयटो प डरो पेय डरो॥

हि मधुमालती॥ वरुनिरपे सुप्रहोया॥ कुनिभिग्रहजादी इषा
तयोते इच्छां यो सोयाणी

— प्रसंग युद्धे —

गये पाछा॥ परामसो अरु दोष आरोगी जीलसे रू
मधुमालती नारी॥ मालीये दुधोत अरु ठोसि गरी अ
तराय पै इच्छां मंत्री सुत अरु राजा मारी॥ दीवस रात
हां तबे न आरी॥ करही देखइ रंक न धरि हो मोपे ठेह डलु रु
त न बन हो॥ नृप दुष पालन सभें आया॥ कुनकु मालती
या जेग जुलाये॥ सून हो जात रंक अरु देग मंत्री सुत
सुं हीलमील आदो॥ रां कुन्या जील अरु अछो॥ सून अरु
तहां अती दुष हो॥ नीके रहे तो अरु ग्रथि धाये॥ भिगे नो छ
जी लजो वे॥ आइ जेग पायइ रुं डारा॥ मधुमालती रोषी
कुं मारी॥ अरु इहे त सो अ अनुसरें॥ ता लुनइ मालका हा
इरु हो॥ गी॥ येरी अरु त रुं देह अलाछी पठं राम सरोवर न
छो॥ मालती रोषी न सुं डहीयो॥ तन हुं गोरय हुं सनर जी
यो॥ पो नृप त हुं अरु देह मारनी॥ रुं देह अरु देह न डल
नी॥ सून त मालती अती जील आ॥ मधुं डे डं डारल टानी
॥ रा॥

— मालती जायक —

॥ प्रीति मय नर जन सून लीनो॥ अहं हार रहां नीर न पीजे
॥ अदो रंग अजबिल मन डीनो॥ अलो रं सनहां रसरि न
जो॥ आ

॥ श्लोक ॥

यत्र जलं तत्र तिर्थं ॥ यत्र यत्नतत्र देवता ॥

यत्र भायां हंतत्र ॥ स्वदेशो यत्र जीवका ॥ ७१

— मालती जायक —

गोखो हो॥ मालती अरु यधीरो॥ रंगां लोल इरता

होता आनहु परहीन लीरा न्यो मलीं दसूतही लछो गीणी

मार तीआ ॥५॥

॥ यो पाछो ॥ ॥ जो नेर माजती इ जे जेसी ॥ हहो मलीं

दसूत लछो सोई सीने प्रसंग समयो लगे नैसो ॥ मधु सु
नाय आतइ गे तै सां गिरा

म ॥ ॥ ॥

॥ यं पायती पती ॥ पती माविं तां ताडा ॥ अरना मत र पंछ

॥ अर र ॥ ॥ ॥ ॥ सोछा तास परंत ओर ॥ ॥ ॥ ॥

॥ तास मंत्री घर कन्या ॥ ॥ ॥ ॥ अर सख हारे मध्य पुरं दरां ॥ ॥

॥ रंभ नाम तर ॥ सोहो ॥ ॥ ॥ ॥ नोवर मन मोहा ॥ ॥ ॥ ॥ रसमी

॥ पंछ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ पोहो पसु गंध प्रेम सु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

न्यायेपापेजाबुला ॥ युद्ध ॥ इंदुरेहो ॥ सिन्नीतो सि-
 न्नी भुज ॥ यद्वेहो ॥ तोषिपरडो ॥ आयुद्ध धरीहो ॥ अइधपैरलेमा
 रतमरीहो ॥ ७९॥ सूनत ॥ अयनमं ॥ इरीसखागो ॥ गयो-
 यलायपै ॥ इसभा ॥ १॥ तमरी ॥ गी ॥ लोल ॥ हाथिमे ॥ लीनी ॥ अ-
 र ॥ नमंत्र ॥ समरा ॥ तां ॥ इनी ॥ ७९॥ आवाहन ॥ इर ॥ इर ॥
 मोरी ॥ सिन्नी ॥ हंड ॥ बिरुंड ॥ इरी ॥ डोरी ॥ अइ ॥ अइ ॥ इर ॥ डे ॥ लागो ॥ सी
 गोरे ॥ युद्ध ॥ ने ॥ तृ ॥ मला ॥ गो ॥ १॥ न्यो ॥ अर ॥ पा ॥ नर ॥ ला ॥ दो ॥ ओरी ॥
 पं ॥ नर ॥ ही ॥ ड ॥ मुर ॥ इरी ॥ डोरी ॥ डे ॥ ते ॥ मु ॥ अ ॥ भान ॥ तन ॥ छुरो ॥ डे ॥ ते ॥ इनी
 स ॥ तन ॥ र ॥ धर ॥ ती ॥ लु ॥ टो ॥ १॥ डे ॥ ते ॥ ड ॥ घाय ॥ ल ॥ सो ॥ नर ॥ डो ॥ दो ॥ डे ॥ ते ॥ ड ॥ मु
 अ ॥ थै ॥ अ ॥ यन ॥ न ॥ जो ॥ लो ॥ डे ॥ ते ॥ ड ॥ गर् ॥ त ॥ ने ॥ र ॥ हां ॥ सु ॥ तो ॥ डे ॥ ते ॥ ड ॥ मान-
 तं ॥ ग ॥ ल ॥ ये ॥ न्यु ॥ तो ॥ ७९॥ डे ॥ ते ॥ ड ॥ मु ॥ अ ॥ नी ॥ र ॥ न ॥ ही ॥ मा ॥ गो ॥ डे ॥ ते ॥ ड ॥ ग
 ये ॥ रा ॥ य ॥ पै ॥ ला ॥ गो ॥ डे ॥ ते ॥ ड ॥ मधु ॥ सर ॥ न ॥ य ॥ ल ॥ आ ॥ यो ॥ स ॥ इ ॥ र ॥ नि ॥ रा ॥ जी
 अ ॥ हो ॥ त ॥ सु ॥ अ ॥ पा ॥ यो ॥ १॥ मधु ॥ इ ॥ ली ॥ र ॥ अ ॥ हो ॥ त ॥ अ ॥ अ ॥ पर ॥ हं ॥ ता ॥ हां-
 न्नी ॥ सु ॥ ल ॥ इ ॥ र ॥ डो ॥ इ ॥ र ॥ हं ॥ सी ॥ य ॥ र ॥ अ ॥ अ ॥ सी ॥ १॥ ही ॥ इ ॥ र ॥ हं ॥ सो ॥ नर ॥ अ
 अ ॥ त ॥ डो ॥ न ॥ तें ॥ ड ॥ र ॥ हं ॥ १॥ ॥ सो ॥ र ॥ डो ॥ ॥ हा ॥ त्थे ॥
 इ ॥ ट ॥ इ ॥ ह ॥ न ॥ र ॥ ॥ नी ॥ पा ॥ य ॥ इ ॥ सो ॥ य ॥ इ ॥ ह ॥ ने ॥ नृ ॥ प ॥ पै ॥ ग ॥ छे ॥ इ ॥ रा ॥
 घा ॥ य ॥ ल ॥ अ ॥ न ॥ य ॥ ल ॥ घ ॥ ने ॥ ७९॥

राज ॥ यंद्रसेन ॥ आ ॥ इ ॥

॥ यो ॥ पा ॥ छे ॥ ॥ यंद्रसेन ॥ घाय ॥ ल ॥ सु ॥ अ ॥ नृ ॥ डे ॥ तो ॥ ड ॥ इ-
 ट ॥ अ ॥ न ॥ रा ॥ अ ॥ नृ ॥ डे ॥ सो ॥ छे ॥ जा ॥ त ॥ स ॥ अ ॥ न ॥ सु ॥ न ॥ पा ॥ छे ॥ ता-
 पर ॥ तै ॥ सी ॥ इ ॥ म ॥ इ ॥ अ ॥ दा ॥ य ॥ १॥ घाय ॥ ल ॥ डे ॥ इ ॥ ट ॥ ड ॥ डो ॥ णि ॥ नां ॥ ही ॥
 इ ॥ र ॥ गी ॥ लो ॥ ल ॥ मधु ॥ मो ॥ रे ॥ तां ॥ ही ॥ १॥ इ ॥ र ॥ मा ॥ री ॥ छी ॥ इ ॥ स ॥ अ ॥ डी ॥ ने
 ॥ १॥ डे ॥ आ ॥ यु ॥ इ ॥ हा ॥ थि ॥ न ॥ ली ॥ ने ॥ १॥ ॥ यंद्रसेन ॥ नृ ॥ प ॥ जा ॥ त ॥ न
 मा ॥ ने ॥ ॥ अ ॥ नी ॥ या ॥ इ ॥ हा ॥ यु ॥ इ ॥ डी ॥ न ॥ ने ॥ ॥ ल ॥ री ॥ का ॥ अ ॥ इ ॥ इ ॥ हा ॥ यु ॥ इ-
 इ ॥ री ॥ ही ॥ १॥ इ ॥ ट ॥ ड ॥ गी ॥ लो ॥ ल ॥ न ॥ सु ॥ डी ॥ त ॥ म ॥ री ॥ ही ॥ १॥ ७९॥ पर ॥ अ ॥ नृ ॥

कोणी नीश्वे आयेगां सुनत रीधनी देण दुला जेगां पंयस
हस्त जो गेरस बडीनेगां ये दे जग पमा गया दीनेगां ॥ ७७ ॥

बलम लयायक

गोम ३ अण ह्यो कुरो मार ॥ ७७ ॥ अपनो कुल जि
त्तारो ॥ ने लाने तो हार ही छांडो ॥ रो रो थल में जे थल मा
डा ॥ ७७ ॥

म २ आर्यक

गो नृप को योर गोय डीत नषी ॥ ७७ ॥ न आत न डै ॥ पत पाषा
गो ने सू ॥ ७७ ॥ ग ते लाने ॥ ७७ ॥ जे जे काम करत डूख ला
गे ॥ ७७ ॥ गो नग जनाया ॥ ७७ ॥ न ने ॥ ७७ ॥ नृप कुंजरी
ड ॥ ७७ ॥ हाने ॥ ७७ ॥ मत म पण प्रेम नीर धरो ॥ ७७ ॥ नीर नीली
गोय न न्यो ॥ ७७ ॥ रन सं ॥ ७७ ॥ त लु डीत नषी ॥ ७७ ॥ तुम डूही
रो रो ॥ ७७ ॥ मास तीजन यी सता रो ॥ ७७ ॥ कुनी
म ॥ ७७ ॥ नृप ह डारो ॥ ७७ ॥ राम सरोजर के ही गवारी ॥ ७७ ॥
टे जे ॥ ७७ ॥ मत वारी ॥ ७७ ॥ लार न हारे न त न ने री ॥ ७७ ॥ सो स ल
७७ ॥ माल ती डे री ॥ ७७ ॥ तो लु ने त पवन आराधो ॥ ७७ ॥ सीतल मंद सु
गंध ही साधो ॥ ७७ ॥ अती सुभास यो धी स डु ॥ ७७ ॥ ल मर स मुह
से न यद आओ ॥ ७७ ॥ डो डंडर म धु मां धी विष डो री ॥ ७७ ॥ र नी सुधा
७७ ॥ री ॥ ७७ ॥ मंत्री सूत सुमर न न ज डरे ॥ ७७ ॥ ह्यो ह्यो
अली स मुह जिस्तर ॥ ७७ ॥ तै से स मे ड ड यली आयो ॥ ७७ ॥
धु कुंजर जीत से ॥ ७७ ॥ धा यो ॥ ७७ ॥ माल ती घोर जणे लप ॥ ७७ ॥
ले नै त माल डूहा जानी ॥ ७७ ॥ धी रो कुंजर जैन यी त ही नो ॥ ७७ ॥
७७ ॥ न ही तीर डुमनी श्वे हो ॥ ७७ ॥ सो डो रे
७७ ॥ डो रे ॥ ७७ ॥ डी ड ड पे स ड ड ड ज वाणी ॥ ७७ ॥ लो कुंज रुप
तीत ॥ ७७ ॥ अली डे ड सत लु यत जी वरी ॥ ७७ ॥ त डो जान
यु ड तुम डूरी ॥ ७७ ॥ यु ड सवान ग्यातुरी लो ॥ ७७ ॥ जे लो

[illegible]

[illegible]

जन्नांहीतांजापयलमारीलनयो गोरोंपैहोआनअडेलो-
 न्यारोताअंसेंसमेंआनडोणिघेरोंणिप डेरसोडोणिनतेराणी
 तेरीडुमज डरड डोणिआयोतांहुंहेर रीरायपहायोतांछलज
 ल होयतोयुद्धही मंडोतांनंतरमं बहूहाहरछंडोतांणीपाय
 हर **पांड** जर्रीमाखतीजीनेतांघासीऐनडे इमेंहीनेतांहुनदी
 र होयजोलेगादोतांणीखीरलजाग तेराडोतां तां

मधुप्रायः

तामारनकुनजपायपजासीतांमपुडुजरहटडीणिहीजारीतांमे-
 हगरी जणिपरडीतजीनेतांअंसेंजयनना नीखीतहीनेतां
 जलपट्ट नर होयअन्ननोतांणिनर रोसनडेरसथानातां
 हीओरनु डरनुडोतांऐनजातनडुसरेनसूडोतांदेहरीनेडर
 गेंधपछोरोणिनरुधिनमेंडरडीतमोरोंडोडे बुडोबग हुनन्ननेतां
 सोडरनुतजडडीतहानेतांतां

श्लोक

यस्यरष्ट्रेभयंन॥स्त॥हेनास्तिधनपादं॥

उग्रहोनीग्रहोश्चैव॥सरूष्टोकिंकरीश्रयति॥८०॥

तांघोहातां तांनरडेडडुडरनहीतांतुठेसरेनडातांतहां-
 रीसडीडीनीयतांतेजातनडांजातांजनीतां तांयोवाणीतां
 तां तांनो तांजिघायकरतजहीतांडरहोरायडरीसेडेसे
 जज तांनयनयमएडेकुहपीठगाजतां सोक्योंडेरर पेडेतां
 जोतांवरतां तज्जा नभर रतहीडीनीतांयद्योडोपनृपजा-
 गयाहीनीतांपहलेज्येह राजीपेरकुपछारोतांपाछेडरडजोबडे-
 मारोतांजाखडीने तांनहेहलडातांखीन जय तां ललडातां
 घेरतरामसोपरवारीतांजाखनहांतहांसवगारीतांजा
 नीयाहुयोडहां रहीयापरतांडेरतहांनुसमैयेतां यगन

मरन धुल मील नै हों दू दे हाड निसानी न पै हों पा म्यै से जय
 न डे स जे टे रो पा री आन य हूं दी स घे रो पा सिंघ न डे जे ज
 न य धर दो ग ब नु रं ग डो गि जै ह न स डो शा त ज न प डे डो य
 न सारो पा ग ब ल गाय स ग रे कु म द रो पा न डे न डे न डे न डे न डे
 गो पा न म र मो हार जो हो र डी र न गो पा गी डे न म र डे न डे न डे न
 पा रा रो डो न य स ज जे ह ल त्ता रा पा वा गे ड स न डे प डे र ता
 ही पा पै ड र तु त य ले डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 नै स ना हु ता हु प र ज डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 ली ज प नो सी ग रा न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 पा ड र गी लाल ज डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 ह ले आ य ग ब न से नै डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 माली मु डी र हो डार ता य हूं दी स ज ग हा त ह व र ना मा नु
 डी सा न य ज यो ज न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 मुं ज ते ज य न ना ही डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 म य म प्र ह डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 डी डो पा न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 पा व ह डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 डी ज डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 डी स डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 र अ ति प्र जार हो य तै सै पा ग डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 सून त रो ल यो डी स ल ग डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 यो डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 न ल गी पा न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 रो हो र पा न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न
 ज डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न डे न

स्वांमाणा

॥योपाधी॥

॥दीगं देजे मधुं

ज्यत्नांही॥मावतीजिह्वज्जलत्तर्हि ताही॥नेतमाव-
 गाहीजिरुहलीनी॥अपरीजिह्वदेहकीतडीनी॥पासुज-
 नीलुयनेंरजियोरौ॥मधुंज्वरुंकोणिनमोरौ॥काम-
 र्जसपुनज्ज्वतारी॥याकीज्जलज्जलत्तर्हि न्यारी॥धी-
 तीन लोड सीगरेछेननुतौ॥जैसेंजेज्जलज्जलत्तर्हि जीतो॥
 सूरमुनीज्ज नूरनागनरनेछौ॥व्यापेसङ्कलरुहो नही-
 कोछौ॥अणायोगीहोयनुनहूमनमोरौ॥छेनणिनहूडेवेत
 पदारे॥ससीसरापयाडेगुनपायो॥छेद्रसहस्त्रलग्गं
 गखगायो॥गौतमनारथिवाछेनडीनी॥नखंधर छ-
 खज्जललीनी॥इरीणिपाय॥यकुमरवाजो॥छेनसीगरेन
 जजेज्जलजेस यो॥तायाडेगुनलीलनलछेजैसे॥देव्या
 न॥छे॥अरी॥छेज्जलीज्जलज्जलत्तर्हि पायो॥पारयतीनेन
 ज्जलज्जलत्तर्हि॥ज्जलज्जलत्तर्हि॥नहां लोनेछौ॥सो गतीज्जलज्जल
 ज्जलज्जलत्तर्हि॥ज्जलज्जलत्तर्हि॥नसूरनांही॥तेरोपीता॥लेजे-
 मांही॥४॥

श्ला.

मत्तेभकुंभ लनभुविसंतीकरा॥केचीत्
 प्रचंड गराजवधेपि नृणा॥अन्येचविरस
 भटारण इन्द्रापीरा॥कंदर्पदर्पदलनेव्यवला
 मनुष्य॥८४५॥

॥योपाधी॥

॥मातेगैंदजिड रनसुरौ॥दुनीडेस-

॥पासुज्जुं॥ज्जुं॥जैसेंस्त्रटपराक्रमनेरो॥पैड हंरुहल-
 दुथोर॥४॥प्रक्रमनदेहकुंज्जलज्जलत्तर्हि॥ज्जलज्जलत्तर्हि
 ॥सार्थी॥यदुहुज्जलज्जलत्तर्हि॥ज्जलज्जलत्तर्हि॥तुं डीनसोयदुहल

[illegible]

गोपान गतो ओर जात है चोरे लो जहां लगे कुछु मोदी ओ
 रो गो तुम सो भलो न भु औ आ गो तो मंत्रांत है खल गो
 रो गो नृप ओ सयां नो गछो मंत्री की गती लगे न को छो
 रो ओर रस को से रो छो सा मंत्री कु मानी की की हो छो डां न
 त्री आं न रा न नी ल न गो ने से भिग्र हु बल की छां ही पा वि
 छु गो छो मंत्रां जां नृप स गंछो न ही न हो गो

श्लोक

॥ नदितीरेष्वएव ॥ ५ ॥ आचनिअंकुशा ॥

॥ मंत्रीहीनश्रयो राजा ॥ त्रयंसिघ्रं विनश्यती ॥

गो गो पो छो गो न ही तीरे कु म नी श्रेष्ठ ज ह ही मंत्री
 भिन नृप रा न न र छो पर घर ल म ते नी श्रेष्ठ छो
 नाय क सा जी यों इ छो

मंत्री जाय क-

गो गो ही लो सो जे गो गो मारी गो दुनें अस्य हल संधारी गो
 श्री ने पंथ सहस्र अली जा छो सो इ यों डरी ने नार गो
 गो गो गो नी ये ते पी पर अली लू लें गो य ही ब न य आप ज
 ख डू लो गो ड ड डू लाय जेत त लू ला गो त भ तु म मंत्र पुत्र
 ये ला गो गो गो गो गो गो गो गो गो गो गो गो गो गो गो गो
 न छं ड ही गो स ज ही न डरी ही सयां नो सर यों सर बु ऊ न
 ही गो सो नृप ओ अ याना गो गो गो गो गो गो गो गो गो गो
 हां न ला ल क छु सु न न पर ही गो दी ग ही यु ग ल न्यारो ठ र
 ही गो बु ठे ज य न रा य यी त ध र ही गो मंत्री ल लो डों न ग ती ड
 र ही गो

राज जाय

श्लोक

भग्नसैन्ये सुधैरकरा॥ प्रथवांतीलकं त्रयं॥१॥

॥ योपाधि ॥ ॥ व्ययासनी छेदे सोयं त्री ॥ ॥ पुरा नरा
जे सोमं त्री ॥ तारो कट इत्ये सोमसूरो ॥ लुपमे ॥ नीलनील इये-
पुरे ॥ ॥ मं ॥ व्याज ॥

॥ सुजां राय मंत्री सज्जनानां ॥ हनुमान् सुदृढनां कोणं न नीतां
 बज्र ॥ मंत्र सापेक्षो ज्ञायेतां तज्जतो जीषुक्षो करनावो गो
 ते मंत्री ता न साहो सो तु मडीयो नरनाहो हनु सज्जता
 के आग्याकारी गजती प्रवीन तारन जघीकारी ॥ १॥ ये ज्ञाते
 ग्रहवरुन सों जा ॥ १॥ तारन ते तु म पारन डाह्यौ ॥ पूतन
 पूतक पूत पिता नर ॥ २॥ को पीता शो न गत नर ॥ पा न
 रेल ले ॥ अंतर हो ॥ ३॥ को पीता नर ॥ ४॥ को पीता नर ॥
 प ॥ ५॥ को पीता नर ॥ ६॥ को पीता नर ॥ ७॥ को पीता नर ॥
 रां सज्ज ॥ ८॥ को पीता नर ॥ ९॥ को पीता नर ॥ १०॥ को पीता नर ॥
 नृप को घर सी नो ॥ ११॥ को पीता नर ॥ १२॥ को पीता नर ॥
 त शो न विधि निर सों ॥ १३॥ को पीता नर ॥ १४॥ को पीता नर ॥
 दुयी त शो ॥ १५॥ को पीता नर ॥ १६॥ को पीता नर ॥ १७॥ को पीता नर ॥

॥ संगविंगलसेह गोदाज्ज्वायइह ॥

राज्यं सैन्यैश्च गीपाकैश्च सिंहाण्डप्रत्यक्षेण हीनयेत् ।
 तौ प्रातनैश्च नपाण्डोऽसौ कर्हाये ह मङ्गलं समन्ता गीपा ।

मंत्राणाय-

॥ मंत्री के रहने हो राखी सैं नृछल को इहू जीपायों मे
लाज कुंआ करण खा नी छनो हम मो जे हें ता गोप्य गो सा
हुकार येक त न रहणी दुखी लखो पनासा पदार्थ रचि कुं
न नृछल दोषि लेने गोप्य हेतु दोषि कथा वा नेता गोप्य

॥पिंगल पुष्टे सूनहो लाधो॥बं ॥५॥ योवसेंज गली पंगी॥५॥
नक इह सूनो यांत लाधो॥बं ॥५॥ योवसेंज गली पंगी॥५॥

श्लोक-

द्रष्टुं पातावेमस्यैव॥कार्यभयनचान्यथा॥५॥

मननधरणीअनदेमेडेसेबिप्रपैथोअमेदवेरअहोर । रनै
थोआसुडोहउन्नयडेथोतदेवनचोगअनतहीदेथोत

दोहो॥ ॥ये॥इहीडीने नंभुइयत्यो॥गयो ॥
 सो॥इहीप्रातः॥ग॥रानडी॥पडा॥पतायो॥त्रा॥रा॥पेना ॥

मोपाणी । ॥ इति ते सिद्धिं यद्वाप्स्येति तेन ते बुद्धिमान् ।
जन्ती मन्त्रे होतुं ये प्रायज्जन्तं हिंसा रीतिं तज्जन्तं न यदुक्तां ।

पुकारोतं यो ज्येष्ठः नीज्जातवृत्तयस्तीं पौर्णमासीं साहस्राय
करोन्मेषां मेरादछ तोसे गोघ्राज्योरसाहभेरनहिजेगीह पां
हुहेलं — लब्धं कु नंपेधीरपरगैसो इरणीपायतां कुरुता

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ मुरवसंघाच दुःखत्वं ॥ पंडीतोपि च प्राप्नुयात् ॥
॥ तरुणाद्य ॥ धनं हानी ॥ मृत्युश्च दो भवेत् ॥ ३

हमन जायक -

॥ गोपाछी ॥ तज हमन क जोलो हसी जानी ॥
॥ अछल ज्येसी क हा हानी ॥ कैसों गिंट क तांतेर ॥ गोपाछल न
क्या अछल ते क ॥ गोपाछी ॥

अछल जायक -

॥ सोरहो ॥ नंगल जेऊ जडा नाया र के ॥
तारें ॥ नाम नही जनराना ॥ सिंह जेऊता में रहे पा ॥
घोहो ॥ ताके सेवक तीन ॥ तां सिंह ॥
रासदा जेऊ रंगी रें ॥ जेऊके अधी दारा ॥
॥ गोपाछी ॥ गिंट जेऊ रान को कोणी ॥ अछल यो
जन छोड़ो सो गिंट तैसी संग ॥ रे नर कोणी ॥ जैसो दुलही पा
वे सो गिंट ॥ तीन मीत यह जन में डीने ॥ डाग सीयार सी
ह यो तीने ॥ जन रान पास देखायो ॥ जल्ले दान गिंट
दवायो ॥ जेऊ समें गन गिही जन आयो ॥ गिही जन
रान गिही पर धायो ॥ पंन हाड तो डेड डायो ॥ ताहीन सी ह
ल यो अध सारो ॥ पखो नल में मुं जन मर हो ॥ आप
ने मीत नकुं सूध धर ही ॥ जाये मित हगी गत क हरी ॥ लूज
न मरत सो सूध ल हरी ॥ एउ नाया रे दी समीत ॥
अंत जां नर डीयो कछु जे हो ॥ सो ॥ आन सिंह पै क हरी ॥
जन में गिंट जेऊ जे ॥ गोपाछी ॥ सिंह के ॥
॥ गोपाछी ॥ न में ॥ सो ॥ जे ॥
पनो से जे हो ॥ त ॥ सो ॥
ह ल य ल ग ॥ जे ॥ सो ॥ मात ॥ जे ॥ मरे ने ही ॥ अ य न स

सज्ज अपने सीर रहूँगा

श्लोक

॥आदप्राप्तुयात्स्वामी॥तस्यमृत्वाजीवीता॥

॥प्राणेशुविद्यमानेच॥देहान्तेनरकंव्रजेत्॥४॥

गच्छेहो ॥ तंस्वांमां स टपरोत्सेव नकुरेद्योःपु

र दु. लाजो श्रीगोताहु नरकडो भोरगं तांयोपाठगं

॥ सज्जमित्तमीलसीयोगि चारणपोहोयेनयसिंहे ॥ १८ ॥

पञ्जति धिरधर सिंह द्विजराज्ये महामुनेः सुप्रसिद्धीः ।

शरयोऽङ्गाप्रथमऽङ्गं ज्योत्योः सतलायऽङ्गं मोयऽङ्गं नृगद

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

स हा प्रायेण विप्रोदक, पाकरो अहङ्गानां तीक्ष्ण

ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५९ अन्नादामो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्री कृष्णाय नमः ।

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

संस्कृत-विद्यापीठ

लेनिन का यह विचार कि वह सचमुच में एक अद्वितीय व्यक्ति थे।

જાલમાફા, નિલગામી, અલ્પમંજી, કાનક, આગા, ૧૯૪૭

गङ्गाधरमन्त्रं यत्र बुद्धिः पापाणि हू पद्मलपात्रपत्र

જિલ્લો : સુરત, તા. ૨૨. ૧૧. ૨૦૧૭ સોસ ન માળિણ ને ઇત્યાદિ ઇત્યાદિ -

पाणिनीयसूत्रोद्भवम् नमसि तेषां नानां दमनक कृत्यो

सो दृष्टान्तप्रमाणोपैत मही मृत्युअपहोआयोपैह

मसाडो कछु उदापाये पावोपावो उदा तहे व नंही

तान् योस्मिन् स्रष्टु इरी मंहीना तैस्ते संश्रमे नं ही गन व्यायो

तपिंजल ४ नि सयेत इरायो ॥३॥ सनभुज सांग इरी

यह आगे पाके मन की डोजिन पाये। ये हमें छोड़ि जो

धही मारोपातुम घेजिनमेंकोजिनहारोपाणा ॥ खोरहे
 ॥ ॥ मंत्रीकी जेहूरीतासांम घामजीधीकुलहे
 पलमेंडरेनेप्रीताछलबलकेपलमें रहेपैपै ॥ ॥ योपा
 ॥ ॥ जोहोतकु जयन कहांदौंकहीछीनंनीछित-
 नोमनमौनहीपछीगगजुअंहुंखेकहीसाथीमंन्त्री
 जिनासूसारतझाथीसांसा जनगीमीलनं प समझा
 यातातजनी तारन जग हला गे ॥ ॥ यतछेज अंग गेर-
 लायापडरीजाहु दींग नी बैठायोपाणा

राजभागा

॥ ॥ जतारजमेरुजिहूजा ह्योपांनोहं कहुदे जजुन
 ह्योपाहुलजांजुपपंडुमुपपायांदाजमंन्त्रीहु समझा
 योपां

आड या

॥ तोलुंपहार जेकजरेटेरांनरंड सिं आन लयेरोल
 यो सोहोदकु सम जजपेरीतांगन हं रंग सज छुटेकि
 यहीपांतातारन रगाडाबलछाछोदलपललन्योपी
 क्यो सीरनाछोहं कहुयेनिं हाड र गादींमंन्त्रीमरन-
 लरंडही डा पांयेगांरेलरंड जयन थीत परोयोपाहु
 रीडांआनजेजिग्र करीयेपांछीनीगरेजंनंहुंहुंहुं
 ॥ आग्यामानरे यकताछीप्येपां ॥ ॥ होहोपा ॥
 आग्या र नत गंरंडकीपांमाने जयन लरंडोपैके हरीज
 तनछांडहोपांआह्योमंजल मंन्त्रींसांरो ॥ ॥ योप छी
 ॥ ॥ ॥ ठाडो सिंह महाजलगरनोसजसूनतति
 गरोदलवरनोबिलबिलायनैसंमधुमांजीकोजि-
 सुल नर ताराजिमेरुजांजारी मंन्त्री आन नजघेरां
 नीन्योआनपुरंगहीडरेपांजेहूबिधसिंहरोकहलठाडो

प्रपङ्गो संदेहराय दुःखादोपाय तारन तारन नृप इही
 टेरो अजेही अजसरनां ही डोणी मेरो मुं राजे के करतारजे
 तारन संराज्यो लांजे पा

तारन जायक

सोरहो ॥ सुनत जयन लछि लाना तज तार
 न कै सीकरो मोल जत दुख जाना स्वांमी धरमयी तमे धरो

श्लोकः

॥ ८४ ॥

॥ मेकतां सकलां प्रथिवी ॥ मेकतं सुभिदिजं ॥

॥ मेकतं सर्वधर्माणां ॥ स्वांमी धर्माणी मेकतं ॥ ७

सोरहो ॥ परही स्वामी दुं जाना सेवक अंतर दे
 रमें ता दुनर नहामा योरासी लज में लमे पा

होहो ॥ बिघना अपने हाथ सो तो ग सकल कर
 सज सुक्रीत अजेक पण रो अजेक पण स्वांमी धरमा पा

यो पाछो ॥ तारन स्वांमी धरम तने हेरो मंत्र प्रजात
 सिंह मुज देरो मारी हाक मुठ डंकर डी ॥ ८४ ॥ १८ ॥ १९ ॥

सकर डी ॥ ८४ ॥ १९ ॥

श्लोक

त्रः प्राप्ति करिय ना ॥ सुख करी मायुश्च वृद्धि
 करि ॥ सौख्यं रीद्विकरी प्रबोध जन निविद्यां
 प्रदां सुंदरी ॥ आनंदं मत्तलंद दानि सुगं पाप
 घ्नप द्या करी ॥ देवित्वं चरणो रूहानु भजतां
 सौभाग्यं सुंदरी ॥ ९६ ॥ ११ ॥ ११ ॥

यो पाछो ॥ त रन जयन र हो नज जोरी ॥ सं
 कर अंग छांडे छोरी ॥ अंतरी ज र नी जो ले जाना ॥ र
 न सै क्ती द्वेडा रान ॥ ९६ ॥

श्लोक-

॥ हंस चतुर्बगस्वेत ॥ को भेदी बग हंसयो ॥

॥ शिरनिर्परीक्षाणां ॥ हंसो हंसवगो वग ॥ ७३ ॥

॥ निरुषिकुरुत वाज्यं ॥ नाद द्रा द्रव्यवान् भ
वेत् ॥ नादेवाश्च भवेत् सुरा ॥ न विष्णोः प्रथिवी प
ति ॥ ६ ॥

[illegible]

॥ मेघतनू ननी नहो मेघवन के । कानो लोड लान ते ।
 लछो संसारी के छात्रों । लोड लान । की नये तोडो
 गिनपतायायोला । लान ते सज्जो रंङ्क रंङ्क राय
 ॥ ५५ ॥ मरुतै । षिना । ॥ नेरे । येन स होया ।
 स लुपन ननमयिडां बुरी ह । सज्जोया ।

॥ तेरो इष्टु होसन नहुं ॥ जिधे जेल जइथा गरी सो देर
नां गरीये ॥ अज- पनिरन मथारा नख जइ पोयन
जइ ॥ अजल जगन मे दूध ॥ नै से नै सो इर्म जइ ॥ तै से तै-
सी ॥ दूध ॥

॥ भाग्यफलं तिसर्वत्र ॥ विद्या नैव च पौरुषं ॥

॥ हरिहरमथ नैसिंधु ॥ हरिलक्ष्मिहरोविषं १६४

॥ योपाधौ ॥ ॥ अलपौरुषकोउपजलेहो ॥ लीप्योऽ
मसोऽपि हृणपैहो ॥ मध्यासिंधुहरिलक्ष्मीलाये ॥ हरेक
हृला ॥ लआया ॥ ल्पा

रान्नप्रायः

॥ सुनतारनतैलादीपताध्यानेडधुलीपीहृतीसोपाधौ
॥ पेनगहांसीभुरीअहलाजो ॥ अनिआगेअपेनोह
ललाजो ॥ शाणिसमकुलडहूसूनीनअंसी ॥ अनजनि
याडूअरीरनअंसी ॥ कुलकुलंडअइनगमेअंती ॥ नैरे
पैसलेसाडीपेती ॥ गा

तारनप्रायः

॥ होहो ॥ ॥ तैमुअथैअनियाडहो ॥ अनअनिया
ड्योहोया ॥ अनअनियाअनरालयो ॥ अनरीअनार्
होया ॥ ॥ योपाधौ ॥ ॥ होअनरीअेड
अनराअनिया ॥ तामेअेडआह्लाणडीअनिया ॥ रानपु
श्रीहिनअनिडजीरेपे ॥ श्रीहृटमील्योतांहांडूडोपैपे
॥ ॥ ॥ देवनडोडोणिलेहनपाये ॥ तुमहुनियाआरअता
वें ॥ अलपौरुषआडारनपुजे ॥ ॥ तनीलर्तुमहुतहां
सूजे ॥ ल्पा

श्लोक

आकारैरगतीर्गत्या ॥ चेष्टयाभाषणेन च ॥ ने
त्रवक्त्रविकारेण ॥ ज्ञायते रगतं मनं ॥ १ ॥

॥ होहो ॥ ॥ आकारैसबजुजीये ॥ जंगजंगडेले

यः प्रेनेत्र पञ्च विदारये॥ देनमानर देवी रीं डंडरपें
 रपरजीयो॥ मणी माण्डडी न्तता॥ हलत अलत बगपर
 जीयो॥ सूरनरड्यो नलहाता॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 जेलु न्तसेहामनपरही॥ अणबेग्यो अतिजातेंडरही-
 ॥ तुमरेतो सजआगे जीली॥ इहे सुनेडी रही न छेती॥

कालिदासः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥
॥ श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीव्यासदेवाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

સંગ્રહજ્ઞાનજોડો.

तारुणधायकः

॥ तारन नृप शरन केह ॥ यीत हे सुनियो राया न्ने जुळे तो स
जुळे ॥ दोय पंन गेहे त्याया ॥ ६ ॥ रायो पाठी ॥ ॥

પંચિ એક ઊરચ્યાનો કોઈનાં જિલ્લો ફાટ બન્નરે સોઈામો
બીકો ઘરદદા આયોગો ઘોડા કોઓદામલ વાયોગોમોબી

इहं ज्ञानने इही नर्छयें। डेरे नयरे ज्ञानम पछयें। जडे स-
हासे मारग ज्ञेयें। ज्ञोदमों घटयें। ते नैयें। गो लुन त्वा नन

मेठीदाशख्यो॥तहांसर्पं जेइ सीतडोमाख्यो॥तनोरलये रा
वतयद आयो॥यादे लोरे वाही जनायो॥ली॥पडरी मंड

अथ नन्दे नीये॥ सिधो नन्दो नन्दो पीये॥ तं नन्दो नन्दो
नन्दो नन्दो॥ नन्दो नन्दो नन्दो नन्दो॥ नन्दो नन्दो नन्दो नन्दो॥

दुरवाङ्मय इति नोऽपि निन्दितं तस्मात्तुल्यं भवेत् ।

निंजिपेन्जो वायस

पाँचदशसंख्येयुजांशेषीत्युक्तं पुनश्चरते लक्ष्मीं
 उत्तमं नितेकारणोनामं मरणमंघं रक्षो पुनर्मोनामं

जेजेसर्पजायक.

शिरऽयानाभाय

બેગંસપૈકબાય.

॥ पंनगाइहे पटांतरोपांगनना ॥ रममड्यापिस्यापेहूमही ॥
 बीतापोरुमाघोबेमयागिगीता ॥ जेहजीधीअइमंत्रजसांस-
 तगुड्डे जीपदेशाअहीकुलये ॥ मरजावेगासतअवनी सी
 रसेषागिगीता ॥ ॥ यापाछो ॥ ॥ ने सतही तो अ-
 ही सीरअवनी ॥ मध्यो सिंधुतांहांनेताडवनी ॥ ना रायन-
 अहीडीनो आसनांने डोडिलेहलोडहीयितासनां ॥ ॥ नेतो

जो जे सायां जा जिंजि सर्पन जा लीयो गिहर सर्प
 सूनो जाना नर्यनेरे जी चसेरात जमुज में जा हो आं ।
 गंगा अरस पर सजातां करी हो न लखी नील न जा
 तखीत आने कामंत्री दीनो जाना पा । गंगे पाछो
 ॥ १ ॥ राजन सुतोनें हमो जरी पाछे मंत्री जुहु बि-
 स्तारी सप सर्प जिंजि सुं जो ल मितरायो नृप जी हर से दे
 गी उह धायो गंगे सज ह सुं नडे जी हर से निहरो ते
 अ ह पर सरो जी विगरो पकरो पावे हुं मुरज तु नही ना-
 गी ॥ राजन हुं ज्युं देत जलागी गंगा ने हो जी हुं मिते जो
 लाछो तु घोरी मुनो पावै शछो गीर ही पेरे तुट तुट पर ही
 ॥ जे सी बिध डिये तुम मर ही गंगा धरनी मध्य ज हो त सु
 ज पावो जे ह जा तु ज्युं डाहा जमावो गी हर मध्य जे हो
 ड गड रहे ता से ल डन तु जा हार नि सर हो गंगा जी हर स-
 र्प हो पडर डे हा हे मड हा जी पर नु रहे ता पेता तो ते ल डरी डा
 वे डो छी सी गरो माख जे न जे हो गंगा गंगे सरो जो ल
 जल तो हुं जावो मितयो न डे डो जी ने ह जलावो डर प न-
 र्प ज न डे ज सु लानो ने से जो ल डव्य होय सयानो ॥
 गंगे हुं सुन मंत्री नीत दीनो तल जये धर गमन ही
 डी नो ॥ १ ॥ तल डु तल डु मेरे ले ह जरी गंगा न युनो रा
 य ज मंडारी रा त हो सर्प मुयो ले ह हा छी सज जला
 न डे हा डे हा छी जे सज जात शय मन लायो ले ड हा
 य यलो जी ही छये गंगा ला तो ते ल डरी डावो र्प न मां ह
 ॥ मा तो धन जो दी दे न डे हा जे ह जी पगार ये हुं जामे डि डे
 जयो ॥ त्रा ह त्रा ह तज मंत्री ये डे हा गंगा ॥ १ ॥ छो हा
 ॥ १ ॥ रन त रन जंत धनी मंत्री डीनो ते गान्ध प हारे न-

अडे॥ किन सीर हत्या लेहोपा मोहोर अड दीन भेत्ये हे.
 णि॥ ने स जे भीत लाये॥ तेरे हत्ये छुन हो युगली
 डरीक न ज्ञाया॥ नि० ॥ तयोपाछा ॥ ॥ ॥ ॥

७ त रा ज र न ते री पां नु य या सं र . त्या मे री पां जि
न तां कुं सो त्या त्तः आ नो पां . म नु के तु म पी न ना पां पां
ये इ मो . र मो प नी त वी ने पां द्य घा न मो स्र ये ह डी ने
पा पे टी लो तो कु पो हो या जी पां ने ई ह हा ह रे हे वे पा जी पां

विषयानुभायः

॥ जेदे जेथ्या सोदोद जित पाणिं पोतो ह्नुं जिंजितो ह्नुं
जोदाजिं पोतेरो सेवक सदा क ॥ जिंजितो तः समे आन पय पयि
॥ जिंजितो सूनरे बिरज्ज ह्नुं क ॥ जिंजितो तः जिंजितो रोच्य
नपे जिंजितो नेजु नेदेजु आपने नेनां तो नृपतां मुंगु
॥ जिंजितो जिंजितो

जिंजिरपेइजाय.

॥ होहो ॥ ॥ तेरो मोहज्यननेहो ॥ हुं पणोछे छि तबतां
ताते कुछु अंतरपेरी ॥ हुं र अरत परता ॥ ॥

शिवज्योत्स्ना जाग्रह.

ਸਤਿਨਾਮੁ

॥ मित्रद्रोही कृतघ्निश्च ॥ जे जनविश्वासघातक ॥

॥ तेन रा नर कं यांति ॥ या वश्चंद्रो दिवाकरः ॥ २ ॥

॥ न्योपाधौ ॥ ॥ बंधेज्यन नरपेनगोष्ठौ ॥ ॥

જીવ્યાત ન જન કોળી પ કટોરા ત્તર કુર પાવોયોએકમે

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

પ્રિય ગેલ્લિલેઓ ચીત્તે દુનીયામાં જિરુયાના ધરમિ:

हृत्तागोनीनयोः प्रसंगालयाः प्रख्यातौ पौर्णो

रुचि जाइ रुचि। गिरुया नइ घर डोमै संग।

[illegible]

श्रीराजाय नमः

गयोपाणी गयोहीइंधमोहीअथरत्नआये॥ तुम
 नीत्यमोहोरइहंइहंआये॥ गयोहीअथरत्नआये॥
 गयोहीअथरत्नआये॥ गयोहीअथरत्नआये॥

विद्यया ऽमृतमश्नुते

॥ गीरग्यानो जो लेत्रीयताछो ॥ जे हक छु जात क न कीनाछो
नारा न न जत छेताछो ॥ र असंपत न जे छे पाछो ॥
हारि जे छे मोह लेछो ॥ छे जे छरी प्र मेरा स न मेरो छे
ज को छे जे जत जात न कीनाछो ॥ हू लावुं सो युप करि नो ॥

શ્રી સાબાય :

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

શ્રીરાજ્યાન ખાંચકુ.

पञ्चायं देव्यो नहि पाणिनिः खेसि ब्रह्मादायां ब्रह्मणः स
कहा कः बुद्ध करत वंनराणां राजा पुरष देवस्तन्त्रहीने तु
देवस्तन्त्राणां साप्रित्राया यों द्वयोर्द्वेषां हूँ हूँ नेनराणां

श्रीयाभायः

[illegible]

मोहरमिटो॥ आगे जात ब॥ यो गोविग्र॥ ये तन छिन्न
 ही॥ बिग्रह ये धरन्नया॥ बिग्रह ये बिग्रह जोडो॥ इहां रंक
 इहां राया॥ १०८॥ बिग्रह ये रावन जयो॥ बिग्रह डोर व
 राया॥ बहां तहां बिग्रह पदयो॥ तहां रह्यो न ही नया॥ १०
 ८॥

पंनग जायकु-

॥ मेरो कुछु दोसन नही॥ सून गिरग्याना रावा॥ पुत्र
 सोड तो कुनयो॥ मौडै गाडो घाया॥ ११॥ वैर पदयो सीत
 नां मिलो॥ नेरे मिताये नग्रा॥ ने पन तें तन प्रगटें हो॥ सा
 जाहुं ते मग्रा॥ रातेरी मेरी प्रीत थी॥ सो सज निवारी खा
 सा॥ तु तेरो कुल पाय ही॥ जाया युड ही काबा॥ १२॥ पंनग कुह
 प्रीत नां मिलो॥ सून गिरग्याने रावा॥ तुम मन सावे पुत्र
 ही॥ मो सीर सावे घाया॥ १३॥ जे कुड ही गिरग्यानो रय्यो
 ॥ सूत कुं सछाती लाया॥ न्रीया कुं सज जातै इही॥ वे कुछु
 लयन पत्याया॥ १४॥

त्रीया जायकु-

॥ तें खरी डाकुं रव्य दियो॥ ले छोख्यो इहुं अंतो॥ मो सूलेद दु
 राव ही॥ मिथ्या जात ही कुंथा॥ १५॥ ॥ यो पाछो॥ ॥
 रांड लांड अइ मातो संडा॥ जडी कुवांन अइ दाख्यो जडा॥
 जे पांये धर जाहेर आये॥ अपने अपने ना लेद न नाये॥ १६॥
 नृप के आगे नय पुकारी॥ नुठी सायी इहुत नहारी॥ १७॥
 तपठाय जस म बुलायो॥ गिरग्यानो सून तत ही जायो॥
 ॥ नीरान् अमर से न धर्म धारी॥ सूनिवात सज न्यारी
 न्यारी॥ रंडी कुं नुठी इर नं नी॥ गिरग्याने डी सायी मानी॥

॥ १८॥

॥ अनुलि क मारे भा ॥ जनन चैव वाचुता ॥

॥ प्रेमदा जनविश्वासो ॥ मृत्युद्वाराणीयम् ॥ ११ ॥

आरोग्योद्यमसंग्रह त्रितीयमंतर्गमृत्युदेवद्वारा

गाना पुर मेरी जल जल गल गली ॥ अल अल ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਨੂੰ ਸੁਧਾਰਨ ਲਈ

अन्त्यानासाह

[illegible][illegible]

गणित्यत्ता नवनोधुरा।। निन पायड्डु।। जया।। ३।।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यादृशं कुलादिबन्धनं च यत्संयमनं लब्धं तां धर्मं
 येनैवं विधिं यत्तु येनैवं विधिं यत्तु येनैवं विधिं

ॐ ह्रीं क्लीं ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मिनाब्जलनद्यालदारागिरुयाना न्याइरलन्यागिरुडा

मुजुमादोपि

तारन जायडः

श्लोक

॥ परस्परस्य मन्त्रेण ॥ यैवदंति धनराधमा ॥

॥ तेनरा प्राण संदेहो ॥ बिंबिको विगीतो अही ॥ ६ ॥

॥ दोहो ॥ ॥ ऐह्ये नृणां रूपमोहये प्रेम परदां न ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

शास्त्रानुसारेण नृपगाह पसारादि

ଜେଜାୟିକ

॥ आयुर्वित्तं ग्रहच्छिद्रं ॥ मंत्रमेव न मौषधं ॥

॥ दानमानापमानंच ॥ नवगोप्यानि नारयत ॥ ३०

॥ होहो ॥ ॥ आयुर्वित्तं ग्रहच्छिद्रं ॥ मंत्रमेव न मौषधं

॥ मंत्रा दानमान अपमान सखा मन मे रह्ये अत्यं

॥ ॥ यां ॥ हो ॥ ॥ अपत मंत्रा सो अडा विना

॥ ॥ न हो विने सखे नुग होरो न न ह ल अपने न र

॥ जो ॥ मंत्रा इहामुद्रा हो ॥ ॥ ॥ ॥

श्लोक

॥ भावितव्यं भवितव्यं नालिकेरं फलांबुवत् ॥

॥ गमितव्यगमितव्यं ॥ गजभुक्तकपित्तवत् ॥ ३१

॥ होहो ॥ ॥ नालिकेरं फलानेरं ॥ ॥ गजभुक्तकपित्तवत्

॥ ॥ आयो वेह फल न पडित फल रो ॥ ॥ वेह फल हंत न न य ॥ ॥

॥ ॥ सोर हो ॥ ॥ अन्ये लो न ही न नी रां अर ॥ ॥

॥ निरुक्तव्यं न सखुडे तेह ही रां पुप जो घायडे न ल खे रं

प्रसंग श्री राम चंद्र खंन नी हो

ना न आयु ड

॥ होहो ॥ ॥ लंड प्रन नी सीत लो ॥ ॥ अले खने धा रामो

॥ तप जै ही न हां खंन नी ॥ ॥ डी नां डंड डे ॥ ॥ मो ॥ ॥ ॥ ॥ सी राम

॥ लछ मन सीत हो ॥ ॥ अरे ये थि हनु मानो ॥ ॥ नम स्फुर म्या रे

॥ डी यो ॥ ॥ खंन नी ही नो भा नो ॥ ॥ सोय सरी रे खज ल यो ॥ ॥

॥ ॥ हो डरे बिया रा खंड नु न डे मनु अ नो ॥ ॥ खंन नी ॥ ॥ ॥ पासा

खंन नी आयु ड

॥ ॥ ॥

॥ ॥ हो राम डू राम तु ॥ ॥ सछ मन अय छ न न नो ॥ ॥ अ सती

॥ डू सती सीत डू ॥ ॥ पूत डू पूत हनु मानो ॥ ॥ ॥

हनु मानो ॥ ॥ ॥ ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ रामयरीत नने सजे ॥ लूखी गयो गति लावा ॥ रामन
सक्या सीत् ॥ रामो अलछन कायो ॥ रामो

॥सीतीस्त्री सत खोरकोपेदंतर दीने सोयापे हुनुनपे
बननी सुना । जे बघरीन माही होया ॥१४॥

॥ अथ यदेतं शृणु ॥ सती इहा ये व्याप ॥ तज्जही स्वापे
नां हे सार्ज ॥ नरजरटरता पापा ॥ १४॥

गतीनलोड तारन तरनो नगनं पे नुह नामं माता
हनुमंत देही सो ज्यो राम रामा गी

॥ इरता हरता सङ्कलमें ॥ घट घट रह्यो समाया ॥ इनह भृगयी
नोनही ॥ तोडीतही लहम ननया ॥ पा

॥ननिर्मिताकेनचद्रष्टृपूर्वा॥नश्रूयतेहेममयीकुं
 री॥तथापि न स्यादधुनेदंनस्य॥विनात्राकालेविप
 रीतबुद्धि॥६॥आरामयद्भवाय ॥

॥ गोहोता ॥ ॥ गन्धाधिक्यं नृणां भित्तौ यद्गुणं सार्वभौम
गत्यायसत्य इतीगौतमस्तुताः नेतुन कहेत्तास्त्य ॥
॥ अथरमेकद्वन्द्वं कुंया तुमनिद्यानुम ॥ ॥ मे रक्षाया
नेनेहोऽप्यलपोषे नराणां नीजसच्छेदराजन-

श्रीयोगीसीता मोह नीलायां चंद्रां यतोऽपि ज्ञेयम्
न सह्य गच्छति पद्मजद्वारे मध्यमुजा मेरे हीतको हूना म
हाया द्वा रुमानकुंडिके से हृद्यो कृता पिपा

અંજનીબાઈ

पंथी रीत जो अस्तन हज्यो पायली दुध की धारा सो ला
 जीया तीर न्यो पात छे ज्वा की पा राय ह मेरो पै ना पीयो
 की त ही गये वे न्ने रो जाल पणे रवि ग्रा सी यो पा मै डा ह्यो
 मुज झे रा रा मेरे तन ने कहा की यो पा पदम ज्वा र ही ने रा रा
 जन सु तं स गंतो कर ता सिंधु जो रा रा साय र ज्वा ह्यो
 दो न प रा जं ह र मारे त्वा रा ज्वा धी जं न ली हे स जो ह्यो न
 पीयो जो ही ज्वा रा रा पीयो तव ज्वा र त्ते हे से पीयो पा या न
 मा यो सो यो ज्वा ह्य न हूं ये तु ग यो पा मेरो पू त न हो या पा

रुनुमानज्जायइ.

गीसातसमुद्रअथजनइशोखंडांइतुइकाभांछनतेचित्त
 रधइशोआज्ञाछैनराभांझाघरापइरणीखटीइशोअनेरघु
 नाथसहायापैप्रलुडीआज्ञाबिनासकूनतरनगीहाय
 गीशाप्रलयप्रालनगडोइशोराजनडेतुइअहारापैप्र
 लुडीखीलायहोअन्नहोअपबताहोअन्नोकुमारवा
 सनघेरायोहीघडेसअनैनोघडीलानडेद्वीरघडोआ
 डोअथरीतडोनीआड्योहोवेखंडांछनाड्योतुटलु
 नजिसोड्योअवेरंडापणोछुटेकोडतेत्रीसोइगोअ
 नसीतावेलेगयोतजआयेरघुरानोराजनडेसीरडाट
 डोद्वीयोबिल्लीधनडानागीडीतेनेइह्योरघुनाथसुं
 ताहोणित्तरअहोसेअसहस्रहोणिरसनसोइहीनसकेन
 सतेहारा

मिन्यदुजायिदु.

પાખડકેવરો રૂ નીરહોગ ઊત્તરકાન્હો કામોય્યંબની ત્રિ
ચાક્ષાલછીયલેઅનધ્યારામાડાઉતિશ્રીરામચંદ્રઅ
ત્રની પ્રેરંગો

शान्तधायकः

[illegible]

रानी प्रायः

॥ जिनके हृदय में प्रभु निवासी हैं ॥ आनन्द ॥ १२ ॥ कुछ खेद की नीति ॥
धर्म व्याप्त होषी न मनने ॥ आनन्द ॥ १३ ॥ सीतल प्रसाद ॥ १४ ॥
॥ जे तीनों खेदों में मिलावो ॥ जगें त्यों हाथै हृदय लगावो ॥
मेरे लिये भैसी आये ॥ नानै से राय मन लावे ॥ १५ ॥

જીવન બાંધક.

पामोः पुद्गलेन तु न आयेत्तान्त्र्योऽर्थेप दोषः कदापि न
 न ज्ञातुं न ज्ञातुं सी इरहीप न ज्ञाप ईदृशः एतद्विद्वत्
 रश्मिरायरं इतरं न पुद्गलादपि स ज्ञोऽर्थे अपेने न स
 व्यापेत्तनता छ अ न्यारां प्रो रानां र राज्ञ य ला
 जेपिपिपि

राजीवराज

रां घोड़ा रां रां में अजलौ नन्यो . तो रां नही ज्याह डो
 संया मोसूं लेह दुराये डो रां न डरे प्रपंया रां डं न्या डो
 डिपहास मेहो हुने हारे जेता डजहूं कण्य जैसी धरे
 रां तीह मारे डो नेता जाले तुम अज जैसी डही रां मेरो मीट्यो
 लर मो कण्य प्रतीत आछे सजो आपनो जेही धरमा छे

राजीवराज

रां तुम अज न होछे जूअ . रां हानु यले प्रपंया रां दीप ड लेहू पे
 जीयो रां यैनां हो अज सं रां पां ह म पतिया ने बग ड हो रां जे
 अपने ने नां जे न जेह . म हस हस ह डं डर मारयो सैना रां
 २५ रां न्ये २५ ज न डे जाननु रां त्यो गीलो लकी योटा जेह
 छटे डोटी लजो रां त तीत जाडी याटा ११७ रां प्रथम आय
 छि ड बिछि ड डीये ह . रां पां ज ड पंछी ल डे रां गीरी समा
 नही सोय रां हाथी घोडा गीट सजा अघ हल घासे सोय रां
 २० रां डे हरी जेह म हाजली रां जिन मारे रां न डोटा ड नित्री ड
 ज त ड यो ल गो रां न त तीत जाडी योटा ११८ रां में हो रां अ
 पनो धरमा रां रही न ड छु डर तुता रां रां पाट जिन डं ह्यो रां छे
 ह न माछे छे ह पूतो रां रां रां यो पाछो रां मेरो
 रां न्य मोर डो जाछो जेह . त अ ड जेह न माछो डं न्या ज्या
 ह डी पर ड रे रां न ग में न स संपूरन लेणी रां न ज ही नेह
 जुला जे ने जी रां न्यो त पहाये त जही जेगी रां देरा देरी डे नृप
 ती जुला यो रां मोर साम न स न जेग ड रां यो रां डे रां न ड छु
 साम गी ज्या ह डी होछी रां अं न डे हार लरो सज डोछी रां अ ड
 लंडार हू ये ह न्य डो हो रां मेरे न स डे ड वासा या रां जी

नेगीज्जाय

पद्योहो॥ पयाही सन्नधि ज्योहूकी॥ रमाधैतु
 मज्जजोसो मपेहेलेकेहेतते॥ दीनहसज्जोसो
 प्या— प्योपाधै॥ पज्जाछेमंडपहुतज्जनाये
 पबंजुपेन वंसपरछायोवरं न्या ॥ रभिरागे॥ १८
 डनीरानधन गिसगानो॥ १९ लहछामर स नाछो
 जागे लरज्ज रनाछो॥ लांज प्रकुताल न्छाहीज्जानो
 जान्यंननाहरसरानो॥ २० गनगं गज्जपेछ ॥ २१
 नंगी॥ नंगीतहुलाहोहसंगी॥ जाय गीत नृत्य सु
 यनाये॥ २२ गज्जालाह ररायो॥ २३ गीतानेहीर हुलहु
 नी हुलहा॥ २४ ज्योहोहसज्ज ॥ २५ ज्जो॥ २६ हुं सुत्त सूरती
 डे म्यमरा॥ २७ ज्ज नलहनजारहां लमरा॥ २८ ॥
 दोहा॥ २९ हुलहुहु तिछेछांछांछाछोही मुत्तनहु
 मीतापरजरज्ज्याहानेय ॥ ३० यीतयत्त रणीयामो
 ॥ ३१ ज्जलनु लानां हे ॥ ३२ पंथत्त लानीगाह ॥ ३३ प्रानत्तुसा
 स्थीरनही॥ ३४ गज्जामसनहा॥ ३५ गीतानी ज्जारीलेज्जा
 त्रीया॥ ३६ हुत्त ॥ ३७ गनसोयो ॥ ३८ लहछांछांछांछोही
 योहयिनहोया॥ ३९ गिल रगारीगायही॥ ४० मधु छेले
 छमौनामडा धुटप्रनमेरही॥ ४१ हुनीवारी डौनां ॥ ४२ डाम
 रपज्जतारमधु॥ ४३ ॥ ४४ हुं लौहेलो ज्जयहुज्ज्यापेलूतहो
 याजपरीत्रीय ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ज्जोतरसतन्याधिमां मन
 पयिज्ज्याज्जलतोयां ॥ ४८ ॥ ४९ हुहुहुहुही ननेताही सहल
 ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
 लहनडी ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥

लामां होंगीं । नीले नीले इति तां पंतां हरीं निंजा होंगीं ।
 अनूप न इही सङ्ग । अनूप न इहा विचार । निंजा न देजे मु
 नित पटरो । दृढ आसन नृप हृद । देव निमान नयली सङ्गे
 पजैयी रंहर निरथा । एतावाने द्विरे अनुर मो । धाये तमासे
 लोया । न्योत हार नृप दे सङ्गे । देवन आये सोयी रंगो दे स
 धर सङ्गे नृप सजै । ओर नगर दे लोड । निरजिने न मुरछे सजै
 प सुजमें जा दयो सोड । डोषी पीपर जा रही । डोषी से डत
 रंग । डोषी निगड घर लेय ले । रोबत बिलजत नगा । री
 बिन बलजत सोगी री । ओर हुते नृप सोया । लोछी परे श्री
 सज श्री री । निरजत रह्यो न डोया । डो । त्रीया हृत्ति सो । द्वीगं गि
 री । लछे नयै सीड जा । अपरे पुर सन इहा लयो । नृये डी मरी
 हें सजो ।

राज नारायण

ओर ह जात सुजन सुनि । सोय लयो नृप रंहा । लोड तमा
 से डे मुजो । द्विरे लयो डकु । हंदा पा ।

रानि नारायण

रान डोषी मोरे नां मुजो । अगन समानो । रूपा मुरछागत सज मु
 लछी । परे बिरहु डे रूपा । दात ज परे यजं धी हृती । नरहु नयी
 ने नैना । बिन परे ही पावजी । सोजत नगायो मैना ।
 नरस मुह जाने मिले । रंहां नही डकु डारा । जे ह देजे सज नगा
 तहुं । यहु देजे दोषी नारा । दीन दस मधुना हीन मीले । नये
 ज्या हडे धंदा याते तन । नंगे डो । अगन डराजत हंदा ।
 डाल सपे जाये सजो । लहर नहर डी देता । घरीयार मुरछ
 रही । पाछे लये सयेता । रीणा

आगे ज्या । डो । मसंग ।

सुख जिल सहो गोखोरन हुने इन्ध्यारां

संगो डामे देवडा

पहिलो गी रस लमरहो हुं हुं लोखो खंगो महो देवधं
धो डीयो गो नजते छहो जनंगो मेरे गो मेरे देह दे तीन त
ना गो धेके मधु सारा गो धे तनडी घोषी त्रीया गो नैतमा-
लती नारा ररे गो यहु पाउर यहु सेवती गो हुनी हुं लमर-
जिसे डा प्रीत पुरा तन अजतरो तीन नजत तन खेडा पे
गो सलीख त्रियेणी नय हुला त्रियली पत्र पलासा नै
तमाल मधु मालती गो मेरे लुय त्री घटनी वासासा

रान्न जायडु

नैतमाल मधु मालती गो मेरे प्रान तन तीन गो मैनी के-
ननी अजै गो डोठी अंतर नही लीना गो तेरे जल डो
नंत नही गो हुं हुं लो मूला लारंड लमरगी लोल ड-
रो हुनी केसरि त्रीया लो गो गी रिन्न गीरी बानी डही-
गो अजै छही सरग पुडारी मोहुं ये लन छ नही पाछे स
जपे पारा गो गो अज अजपे राध क्षमा डरो गो यामेरी मनुहा
रा गो रान पार मेरी सरमा तुमही के करतारा ररे गो

मो जायडु

गो रान पार डह डह त हो गो अज न डहो रही मौन पेलरी ड
हो छे सो छे डरो डहे सुने डी डेन ररे गो गो यो घर लो
गवो गो हुम सेवा डे डाना पाछे हो छे सो हो छे हो छे सो छे ड
रही राना ररे गो

संगो डामनी वासडो-

रान्न जायडु

गो खासं डामो मन जरे गो सप्रज डहो मेरे डं तो सो छे सज

गौनदीनयै प्रियमी रयीगौ नुयनंतनगतं मोलुननम
 टां घंपडनरो गौ नुयनंतनगतं मोलुननम
 तसद्यौ नुयनंतनगतं मोलुननम
 प्रानसमीपे नी हामो नुयनंतनगतं

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ इति श्रीभक्तिसुखाश्रयस्य श्रीवैष्णवप्रियाचार्यकृतस्य
न्यायसंग्रहस्य अष्टाध्याये अष्टोत्तरीयांशे

मंगोदसमें नवनीत न्यौं पाइ मां नी न्यौं खागती है
हमथिन ले पाउये पाइन हापदे बागती नी

पगो हारस नशामयों को मयिन कृनी होयों दहम
न लजही हयों लजहयों हयन मुदे हयों ली

[illegible]

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

ભેદ સખ સુન પાયાં નેતી ચ પુરખે તન કહી જો લેખ
 નહીં નન્યારા રહી પડાં બને નહીં કોયિંદ સેં સા સખ
 હાં સંભા સખમાં બિલસાએ ને સમજ ક જે મોહી આ-
 ગીતો મોમનહી સંકા ભાગી પોયા

ગુનાય

જે સહિષ્ણુ ત સખ હો નેનો ઈ હાં લગલ સહ સ્ત્ર લ-
 રી બાનેં સાબની મં પ્રતિ બિંબ પ્રકાસેં યોં પ્રત નેત પિ
 હમે લાસેં પાણિ મેં પોતો પેહરીં ઈયો યર મેં પોતો સા
 સ્વહીં નંદાં લાં ન છપેં સખ નગ બ્યા પેં અલ્પ નિરંબન
 જાં હાં પ્રાપેં મેં હાં હમ હેં કામ અં સખ બતાવીં એ ક-
 છુ કહત સૂન જીવ્યા પીં જીવ્યા જીવ્યા જીવ્યા જીવ્યા જીવ્યા
 ન સમજૂ સખ ન હી કાનેં રિશી

કુલે દે દે દે દે દે દે

પંદો હાં પાંકાય થિ ને ગમ કૂલે હાં જીવ્યા ર ત અભિરા
 માં તન થ ચ તુરતુ ન તાસ કોઈ કથા પ્રાસી તા માં પા
 અલ્પ હાં અનાદ હાં કામ પ્રબંધ પ્રાસી કાં જીવ્યા કુક
 રને રેકાં કહે ચ તુર નદાસીં પ્રાસી પ્રબંધ પ્રકાસેં પામ
 ધુ માલતી બીલાસીં મેં મન કાં લીલા ચ હાં કહત ચ તુ
 રતુ નદાસીં લે પોં બન સ્વત્તો મેં અં લાં રસેં ઈષુ ન
 અંતોં કથા મધ્ય મેં ગાલડીં મેં જીવ્યા ત મધ્ય બં રસીં પી
 લતા મધ્ય પં નગલ નાં સોધેં મોઘન સારો કથા મધ્ય મં ધુ
 માલતીં આલ ધન મોં હારોં રે પાપ છો પે
 રાનની ત કીયા મેં સાજીં પંચાખ્યાં ન એહ બુદ્ધ ભાજીં
 ચાણાય ક્યા તુરી જત્તા જોં થો પીડી રી સખી આ છે પે
 પે કૂનિ જસંત રાગ રસ ગાયોં ચાં ઈર ર કામ અં જાચો



